मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 179
सोमवार, 13 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बीड, परभणी की स्थिति पर मुख्यमंत्री से बात की है, एकजुट रहना समय की मांग हैः शरद पवार

मुंबई, 12 जनवरी। प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उन्होंने बीड में एक सरपंच की हत्या और परभणी में संविधान की प्रति को क्षतिग्रस्त किये जाने के बाद हिंसा के लिए गिरफ्तार किये गये एक दलित युवक की मौत के बाद उपजे सामाजिक तनाव को सामान्य बनाने के प्रयासों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की है।

बीड में नौ दिसंबर को मस-ाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच जुबानी जंग जारी है, क्योंकि संबंधित कथित जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक व्यक्ति को मंत्री धनंजय मुंडे का करीबी सहयोगी बताया गया है।

देशमुख की हत्या के बाद राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं और इसने जाति संघर्ष की आशंकाओं को भी जन्म दिया है, क्योंकि देशमुख मराठा थे और गिरफ्तार किए गए लोगों में से कुछ वंजारी समुदाय से हैं। वहीं, दस दिसंबर को परभणी में हिंसा भड़कने के बाद गिरफ्तार किए गए युवक सोमनाथ सूर्यवंशी की 15 दिसंबर को अचानक तबीयत खराब होने के बाद जेल से अस्पताल ले जाए जाने के बाद मौत हो गई।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पवार ने

मुख्यमंत्री के रूप में विनाशकारी लातूर भूकंप, जिसमें 10,000 से अधिक लोग मारे गए थे, और मुंबई में 1993 में हुए सिलसिलेवार धमाकों से निपटने के अपने अनुभव का हवाला दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग सामाजिक रूप से जागरूक हैं और हमेशा एकजुट होकर खड़े रहते हैं और संकट के समय प्रशासन का सहयोग करते हैं।

पवार ने कहा, सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एकजुट प्रयास की आवश्यकता है और एक मुख्यमंत्री अकेले ऐसा नहीं कर सकता। मैंने इन घटनाओं के बाद बीड और परभणी में मौजूदा स्थिति पर आज मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ विस्तृत चर्चा की। इन दिनों मेरा अधिकतर समय इस बात पर समर्पित है कि कैसे स्थिति को सामान्य किया जाए और बीड और परभणी में मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने कहा, जो लोग सौहार्दपूर्ण तरीके से रहते थे, वे अब भय में जी रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति शत्रुता पनप गई है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन चाहे जो भी हो, हमें लोगों को एकजुट रखने के लिए काम करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 12 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार एक मजबूत और विकसित भारत के उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

वह युवाओं के लिए एक शाश्वत प्रेरणा हैं और आज भी युवा मन में जुनून और उद्देश्य की भावना प्रज्वलित करते हैं। हम एक मजबूत और विकसित भारत के उनके दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को

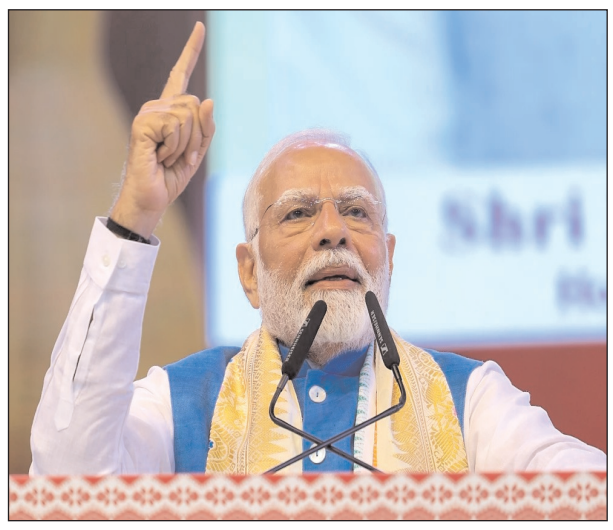

कोलकाता में हुआ था। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी आज इस अवसर पर विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता-आधारित, बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 3,000 युवाओं के साथ संवाद करेंगे।

त्रिपुरा में एक करोड़ रुपये की प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

त्रिपुरा, 12 जनवरी। पश्चिम त्रिपुरा जिले में रविवार को एक ट्रक से एक करोड़ रुपये की प्रतिबंधित याबा गोलियां बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बटाला इलाके में सीमेंट से लदे ट्रक से एक लाख से अधिक याबा गोलियां बरामद की गईं और ट्रक चालक व उसके सहायक को गिरफ्तार कर लिया गया।

पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने संवाददाताओं को बताया, पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचनाओं के आधार पर रविवार सुबह पश्चिम त्रिपुरा थानांतर्गत बटाला इलाके में मेघालय से आ रहे एक ट्रक को रोका।

तलाशी के दौरान वाहन के केबिन से 1,24,000 याबा गोलियां बरामद की गईं। वाहन सिपाहीजाला जिले के सोनामुरा जा रहा था। उन्होंने बताया कि याबा की गोलियां स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ

(एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत जब्त की गई हैं और दो लोगों - ट्रक चालक जमाल हुसैन (44) और उसके सहायक मिंटू बर्मन (29) को गिरफ्तार किया गया है।

मेथैम्फेटामाइन और कैफीन के मिश्रण वाली याबा की गोलियां भारत में प्रतिबंधित हैं। इन्हें क्रेजी ड्रग भी कहा जाता है उन्होंने कहा, हम तस्करी के स्रोत और आपूर्ति के बारे में पता लगाने के लिए गिरफ्तार लोगों से पूछताछ करेंगे। पुलिस तस्करी के रैकेट में शामिल सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करेगी। जब्त याबा गोलियों की कीमत एक करोड़ रुपये होगी।

दिल्ली में सत्ता में आने पर भाजपा सभी झुग्गी-बस्तियां ध्वस्त कर देगी : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 12 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह दिल्ली की सभी झुग्गी-बस्तियों को ध्वस्त कर देगी।

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यहां शकूर बस्ती क्षेत्र में एक संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झुग्गीवासियों के कल्याण की बजाय भूमि अधिग्रहण को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, वे पहले आपके वोट चाहते हैं और चुनाव के बाद आपकी जमीन।

उन्होंने भाजपा की जहां झुग्गी

वहां मकान योजना की भी आलोचना की और इसे दिखावा बताया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, पिछले पांच वर्षों में उन्होंने (भाजपा) झुग्गीवासियों के लिए केवल 4,700 फ्लैटों का निर्माण किया है। केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की योजना झुग्गीवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा किए बिना उनके कब्जे वाली जमीन पर कब्जा करने की है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे (भाजपा) सभी झुग्गी-झोपड़ियों को ध्वस्त कर देंगे और वहां रहने वाले लोगों की कोई चिंता किए बिना जमीन का अधिग्रहण कर लेंगे। केजरीवाल के साथ आप के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन भी थे, जो शकूर बस्ती निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार हैं। जैन 2013, 2015 और 2020 में जीतने के बाद चौथी बार इस सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 12 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण व मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी विरासत दुनिया भर में अनगिनत लोगों को प्रेरित करती रही है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था।

राष्ट्रपति ने कहा, मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं। स्वामीजी भारत के महान

आध्यात्मिक संदेश को पश्चिमी दुनिया तक ले गए। उन्होंने भारत के लोगों में एक नया आत्मविश्वास भरा। मुर्मू कहा कि उन्होंने युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने, राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने और मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। विषय से अवगत लोगों ने शनिवार को यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि नयी दिल्ली द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद, सुबियांतो केभारत दौरा संपन्न करने के तुरंत बाद पाकिस्तान की यात्रा करने की संभावना नहीं है।

हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, जकार्ता ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के भारत दौरे के बाद पाकिस्तान की यात्रा की योजना बनाई है। भारत ने अब तक इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि की औपचारिक घोषणा नहीं की है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबियांतो के दौरे के दौरान उनके साथ व्यापक बातचीत करेंगे।

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तीसरी गारंटी 'युवा उड़ान योजना' का किया ऐलान

नई दिल्ली, 12 जनवरी। कांग्रेस ने रविवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तीसरी गारंटी 'युवा उड़ान योजना' का ऐलान किया। पार्टी ने अपनी इस नयी गारंटी के जरिए दिल्ली के युवाओं को साधने की कोशिश की है। इस योजना के तहत कांग्रेस ने शिक्षित और बेरोजगार युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप और 8,500 रुपए की आर्थिक मदद देने का वादा किया है। बता दें, राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने पार्टी की तरफ से इस गारंटी की घोषणा की है।

कांग्रेस की तीसरी गारंटी की घोषणा के बाद सचिन पायलट ने कहा, 'आज महान विचारक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है जो युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे। दिल्ली में युवाओं के भविष्य पर राज्य और केंद्र सरकार का कोई ध्यान नहीं है।

दिल्ली में इतिहास गवाह है कि यहां जब-जब कांग्रेस की सरकार रही है तब-तब यहां के विकास को पूरे देश में लोग अग्रिम मानते आए हैं।'

पायलट ने दावा किया कि उनकी पार्टी जिस तरह से वादे कर रही है उसी जिम्मेदारी से वह उन्हें निभाएगी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में जिस जिम्मेदारी से हम वादा करेंगे उसी जिम्मेदारी के साथ उसे पूरा भी करेंगे और जनता इस बात को जानती है। मुझे पूरा विश्वास है कि 5 फरवरी को जब दिल्ली के लोग मतदान करेंगे तो इतिहास को याद करेंगे कि किसने क्या कहा और क्या किया। योजना के बारे में बात करते हुए पायलट ने कहा, 'आज हमने नौजवानों के लिए एक नई योजना को जनता के सामने रखा है। हम चाहते हैं दिल्ली प्रदेश में जो शिक्षित युवक युवतियां रहते हैं और जिन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है, उनकी मदद करने के लिए हम उनको 8,500 रुपये प्रति माह 1 वर्ष तक ट्रेनिंग के लिए देंगे ताकि वे अपनी गुणवत्ता को बढ़ा सकें और एक साल बाद अपने पैरों पर खड़े हों।

KWALITY BUILDERS & DEVELOPERS

अपने सपनों का घर प्राप्त करें, सस्ते दामों एवं आसान किस्तों के साथ मुंबई मे भी उपलब्ध

PRAKASH PRAJAPATI MO:9821773050

Venue: Plot No. 20/27/2/A/20, Behind Janbai Building, Navali, Palghar (E), 401404

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"

सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें

पुर्णिमा सर्विसेस

COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT

ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE

Email - purnima.services@gmail.com

8655185584

Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING

अब आपके विकास नगर लखनऊ में

Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!

Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)

Director Dr. Abid Khan PhD (USA)

NEET (UG) & FOUNDATION

Physics Chemistry Biology

9th, 10th, 11th & 12th

Smart Classes

Fully Air- Conditioned Classes

The Doctors Coaching Your Gateway to success in

NEET

a foundation exams!

ADMISSION OPEN NOW!

www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com

+91- 7080403322, +91- 8400043322

Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

14 जनवरी मकर संक्रान्ति पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोड़कर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता है और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों

में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं। मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम में डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है। पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ है। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रांति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता से कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनि के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होंने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरूप कपिलमुनि का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे। इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेघ यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते हैं। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हें शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्त्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहां कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर द्वीप गंगा का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है। गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सड़क बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेंगे। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

धार्मिक स्थलों / आयोजनों में भीड़ और भगदड़ के पिछले मामलों सबक न लेना, किसकी गल्ती

अशोक भाटिया

तिरुपति मंदिर में बैकुंठ द्वार दर्शन टिकट केंद्र के पास मची भगदड़ से हुए हादसे ने एक बार फिर खासतौर से आराधना स्थलों व सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में बदइंतजामी को उजागर किया है। आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए उमड़े श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी जानलेवा साबित हुई। इस भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा व घटना की जांच के आदेश की रस्म अदायगी उसी तरह हुई है, जिस तरह ऐसे हर हादसे में होती है। लेकिन, सच तो यही है कि ऐसे हादसों से कभी कोई सबक नहीं लिया जाता। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने बैकुंठ एकादशी के अवसर पर दस दिन तक विशेष दर्शन की व्यवस्था की थी। ये दर्शन 10 से 19 जनवरी तक बैकुंठ द्वार से होने थे। इसके लिए स्पेशल दर्शन टोकन जारी किए जाने थे। हादसे की वजह प्रथम दृष्टया यही मानी जा रही है कि टोकन वितरण के इंतजाम वहां उमड़ी भीड़ को देखते हुए अपर्याप्त थे। टोकन 9 जनवरी सुबह पांच बजे से मिलने वाले थे। भीड़ टिकट केंद्रों पर इकट्ठा होने लगी। हर कोई जल्दी टिकट पाना चाहता था। यदि भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जाए तो हादसे की आशंका रहती ही है।

पहले भी भीड़भाड़ वाले स्थलों खासकर धार्मिक आयोजनों या धार्मिक स्थलों पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। जिसके बाद जांच और कार्रवाई तो होती है पर कोई जिम्मेदार सबक लेता नहीं दिखाई देते है। कई हादसों की तो रिपोर्ट ही सार्वजानिक नहीं होती है ।दिल्ली से करीब 200 किलोमीटर दूर उत्तरप्रदेश के हाथरस में बाबा नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस भगदड़ की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया था पर बाद में क्या हुआ भगवान को मालूम । अब यह सवाल ,सवाल ही रह गया है कि हाथरस भगदड़ पर गठित होने वाली कमेटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं।

आमतौर पर धार्मिक आयोजनों या धर्मस्थलों पर भारी भीड़ उमड़ती है। गहरी आस्था के चलते लोग अपने आराध्य के दर्शन करने या उनके बारे में सत्संग-प्रवचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। एक जनवरी 2022 को माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे, जिससे भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 12 लोगों की जान चली गई थी, जबकि एक दर्जन घायल हुए थे।

ऐसे ही महाराष्ट्र के सतारा में साल 2005 की 25 जनवरी को मंधारदेवी मंदिर में सालाना तीर्थयात्रा के दौरान मची भगदड़ में 340 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलने से मौत हो गई थी। तीन अक्तूबर 2014 को पटना के गांधी मैदान में दशहरा समारोह के समाप्त होने के बाद भगदड़ में 32 जानें गई थीं। चार मार्च 2010 को उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित मनगढ़ में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में मची भगदड़ में 63 लोगों की जान चली गई थी।

पटना में गंगा के तट पर 19 नवंबर 2012 को छठ पूजा के दौरान अचानक अस्थायी पुल ढहने से भगदड़ मच गई थी। इसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले आठ नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा किनारे हरकी पैड़ी पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोगों की जान चली गई थी।

भारी भीड़ के कारण भगदड़ मचने के और भी कई उदाहरण हैं। इसके लिए कहीं न कहीं इंतजामों की कमी भी जिम्मेदार होती है। वास्तव में लोग अपनी-अपनी आस्था के कारण धार्मिक स्थलों या आयोजन में शामिल होना चाहते हैं और इसके लिए वे किसी बात की परवाह नहीं करते। ऐसे में जरा सी भी ऊंच-नीच भगदड़ का कारण बन जाती है। भारी भीड़ के बीच छोटी सी अफवाह भी बड़ा रूप ले लेती है। साल 2011 की 14 जनवरी को केरल के इडुक्की जिले में एक जीप सबरीमाला मंदिर में दर्शन कर रहे श्रद्धालुओं से टकरा गई थी। इसके बाद ऐसी अफवाह फैली, जिससे भगदड़ मच गई और इसमें 104 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

देश के कई धार्मिक स्थलों के परिसर तो काफी बड़े हैं पर मुख्य दर्शन या पूजा स्थल काफी छोटे हैं। इसमें एक साथ भीड़ का रेला आता है तो धक्के के कारण लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़ने लगते हैं। इस दौरान लोग खुद के शरीर को ही नियंत्रित नहीं कर पाते हैं। ऐसे में अगर एक व्यक्ति भी भीड़ में गिर जाता है तो लोग चाहते हुए भी खुद को रोक नहीं पाते हैं और उस पर चढ़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि भीड़ में किसी के गिरने, बेहोश होने या मौत की अफवाह फैलती है और बचने के लिए लोग भागने लगते हैं। भीड़ में शामिल लोग, खासकर बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं इस भगदड़ का सबसे ज्यादा शिकार होते हैं। इसके लिए स्थानीय प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार होता है, जो आस्था के आगे हाथ खड़े कर देता है। छोटे स्थल पर अधिक लोगों की भीड़ बढ़ने पर भी वह लोगों को रोकता नहीं है।

हाथरस के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि हाथरस में अनुमति और आकलन से कहीं ज्यादा भीड़ पहुंच गई थी। इसके बावजूद प्रशासन तमाशबीन बना रहा और न तो आयोजन निरस्त किया और न ही लोगों को रोकने की कोशिश की।

धार्मिक आयोजन हों या अन्य कोई आयोजन, जिसमें ऐसी हस्तियां पहुंचती हैं, जिनके कारण भारी भीड़ इकट्ठा हो सकती है तो आयोजक खुद को वीआईपी से भी बड़ा मानने लगते हैं। इसके कारण वे लोगों के साथ मनमानी करते हैं। उन्हें रोकते-टोकते हैं। इसके कारण लोगों में गुस्सा पनपने लगता है और यह किसी न किसी रूप में फूटता है। कई बार पत्थरबाजी और तोड़फोड़ होती है तो कई बार वीआईपी के लिए बनाए गए मंच आदि पर भीड़ चढ़ जाती हर। मौसम का भी ऐसे आयोजनों के दौरान भगदड़ का अहम योगदान होता है। सर्दी, गर्मी हो या फिर बारिश का मौसम भारी भीड़ के कारण आयोजन स्थल पर उमस होती ही है। भीषण सर्दी में भी भीड़ के बीच लोगों के पसीना निकलने लगता है। इससे बचने के लिए वे बाहर निकलने की कोशिश करते हैं। अगर गर्मी का मौसम हो तो उमस उन्हें बेचैन करने लगती है। आयोजन अगर बंद स्थान पर हो रहा हो और ठंडी हवा की व्यवस्था न हो तो हर कोई परेशान हो जाता है। खुले में हो रहे आयोजन के दौरान जरा सी बारिश होने या बूंदें पड़ने पर ही लोग भागने लगते हैं।

गौरतलब है कि जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में हुए हादसे के अब 16 साल बीत चुके हैं। हाथरस वाले हादसे की तरह ही मेहरगढ़ दुखांतिका की जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस जसराज चोपड़ा की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन हुआ था। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 216 लोगों की मौत मामले में हुई जांच की रिपोर्ट आज 16 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं हो सकी है। साल 2008 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी और अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे। 30 सितंबर को हुई इस दुर्घटना के बाद दो अक्तूबर को सरकार ने जस्टिस जसराज चोपड़ा की अध्यक्षता में एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। जांच आयोग ने करीब ढाई साल बाद अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। लेकिन जब रिपोर्ट सौंपी गई कि तब राज्य में भाजपा की सरकार थी। कहा जाता है कि सरकार ने उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया और इस घटना के पीड़ितों के परिवारजन न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रहे है।

इसी साल मई में राजस्थान हाईकोर्ट खंडपीठ में जोधपुर के मेहरानगढ दुखांतिका को लेकर चोपड़ा आयोग की रिपोर्ट एवं दो कैबिनेट उप समितियों की रिपोर्ट को पेश किया गया था। इस दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा, अब इस मामले को 16 साल हो चुके हैं। इसीलिए सामाजिक सद्भाव और शांति-व्यवस्था को देखते हुए इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि पूरी रिपोर्ट को राज्य सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए थी पर ऐसा हुआ नहीं ।

अब प्रयागराज में कुम्भ का मेला लग रहा है । करीबन 50 करोड़ श्रध्दालूओं के आने की संभावना जताई जा रही है । सरकार को पूर्व हादसों से सबक लेकर चक चोबंध रहने की तरुरत है ।पूजा स्थल हों या फिर सत्संग, प्रवचनों में उमड? वाली भीड़, जब-जब भी भगदड़ मचने से लोगों की जानें गई हैं या फिर बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं तो एक ही बात सामने आती है कि भीड़ प्रबंधन उपायों की अनदेखी की गई। धार्मिक कार्यक्रमों में आस्था के अतिरेक में भी कई बार सुरक्षा उपायों की अनदेखी होती है। भारी भीड़ के नियंत्रण के लिए समुचित बंदोबस्त न होना तो अलग बात है, कई बार समुचित इंतजाम होने पर भी कोई छोटी सी अफवाह लोगों में भगदड़ का कारण बन जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि आए दिन होने वाले ऐसे हादसों से सबक लेने के प्रयास समय रहते हो ही नहीं पाते। ऐसा करने पर हादसों को रोका जा सकता है ।भीड़ का अनुमान लगाकर उसी के अनुरूप बंदोबस्त न होना ही तिरुपति मंदिर जैसे हादसों की बड़ी वजह बनता है। तकनीक के दौर में भीड़ प्रबंधन बहुत मुश्किल काम नहीं है। धार्मिक स्थल हों या फिर धार्मिक-सामाजिक आयोजन, प्रशासन के लिए भीड़ का अनुमान लगाना कठिन काम नहीं है। सीसीटीवी कैमरों के अलावा सैटेलाइट से भी भीड़ का अंदाजा लगाना आसान है। क्षमता से अधिक लोगों के एकत्र होने या कतारों के ज्यादा लंबी होने से रोका जाना चाहिए। बारी की लंबी प्रतीक्षा से भी कई बार श्रद्धालु धैर्य खो सकते हैं। भीड़ प्रबंधन के साथ यदि लोग स्व अनुशासन पर ध्यान दें, तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता है।

...जब नागाओं ने महाकुंभ में आक्रांता औरंगजेब को खदेड़ा!

-सुरेश गांधी

महाकुंभ में नागा साधुओं का पदार्पण हो चुका है। संसार के मोहमाया के बंधनों से इतर को नागा साधुओं की निष्ठा को देखते हुए आज भी इन्हें सम्मानपूर्वक प्रथम शाही स्नान की अनुमति दी जाती है। पूरे महाकुंभ में नागा साधु आकर्षण के केंद्र बने हैं, इनकी जीवन शैली और पहनावा लोगों के लिए किसी सातवें अजूबे से कम नहीं है। बात 1666 की है जब महाकुंभ के दौरान औरंगजेब की सेना ने आक्रमण किया था. कहते है तब नागा संन्यासियों ने उससे लड़ने के लिए मोर्चा संभाला था. कई दिनों तक चले युद्ध के बाद नागाओं ने औरंगजेब व उसकी सेना को खदेड़कर संगम स्नान करने आएं श्रद्धालुबओं की रक्षा की थी। इतना ही मुगलकाल व ब्रतानियां हुकूमत में जब जब सनातन धर्म पर आक्रमण किया, नागा संन्यासियों ने अपनी जान देकर धर्म की रक्षा की है. लेकिन सच यह भी है कि आजादी के बाद से नागा साधुओं ने शस्त्र न उठाने का फैसला लिया। क्योंकि देश की रक्षा के लिए हमारे वीर जवान अपनी जिम्मेदारी संभाल चुके थे. यह अलग बात है कि आज भी नागा साधुओं को उनके गुरुओं द्वारा शस्त्र चलाने की शिक्षा दी जाती है. खास यह है कि इनके कड़े नियम कायदे, कठिन जीवन शैली हर व्यक्ति को हैरान करती है। दूर से भले ही हमें लगे की नागा और इनके अखाड़े अव्यवस्थित हैं, लेकिन ये हर कार्य को पूरी व्यवस्था के साथ करते हैं। नागा साधु बनने की प्रक्रिया शुरू से अंत तक नियमों के तहत ही होती है। बहुत कम ही लोग यह बात जानते होंगे कि, नागा साधुओं को दीक्षा देने के बाद उन्हें एक विशेष श्रेणी में रखा जाता है।

नागा साधुओं के बिना कुंभ की कल्पना तक नहीं की जा सकती है। उनके प्रति आदर व सम्मान कितना है इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है महाकुंभ में उनके सभी अखाड़े न सिर्फ शाही स्नान में हिस्सा लेते हैं, बल्कि इन्हें सबसे पहले शाही स्नान की अनुमहित दी जाती हैं। लंबे बाल और जटाओं के साथ ये सबसे पहले हर-हर गंगे के जयघोष के साथ संगम में डूबकी लगाते है। उसके बाद आम आदमी मोक्ष के लिए स्नान करता है. सांसारिक मोहमाया त्याग हिमालय की कंदराओं में रहने वाले नाग साधुओं के शरीर पर एक भी वस्त्र नहीं होता है। देवों के देव महादेव को अपना आराध्य मानने वाले इन नागा साधुओं के शरीर पर सिर्फ और सिर्फ राख के लेप होते हैं। इन पर मौसम का भी कोई असर नहीं दिखता है. वह कड़कड़ाती ठंड में भी नग्न अवस्था में ही रहते हैं। वह शरीर पर धुनी या भस्म लगाकर घूमते हैं। नागा का मतलब होता है नग्न। नागा संन्यासी पूरा जीवन नग्न अवस्था या यूं कहे बचपन अवस्था में ही रहते हैं। वह अपने आपको भगवान का दूत मानते हैं। हर अखाडे. की अपनी मान्यता और परंपरा होती है और उसी के मुताबिक, उनको दीक्षा दी जाती है। कई अखाड़ों में नागा साधुओं को भुट्टो के नाम से भी बुलाया जाता है। अखाड़े में शामिल होने के बाद इनको गुरु सेवा के साथ सभी छोटे काम करने के लिए दिए जाते हैं। नागा साधू बनने के बाद वह गांव या शहर की भीड़भाड़ भरी जिंदगी को त्याग देते हैं और रहने के लिए पहाड़ों पर जंगलों में चले जाते हैं। उनका ठिकाना उस जगह पर होता है, जहां कोई भी न आता जाता हो। नागा साधू बनने की प्रक्रिया में 6 साल बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान वह नागा साधू बनने के लिए जरूरी जानकारी हासिल करते हैं। इस अवधि में वह सिर्फ लंगोट पहनते हैं। वह कुंभ मेले में प्रण लेते हैं जिसके बाद लंगोट को भी त्याग देते हैं और पूरा जीवन कपड़ा धारण नहीं करते हैं। नागा साधू बनने की प्रक्रिया की शुरूआत में सबसे पहले ब्रह्मचर्य की शिक्षा लेनी होती है। इसमें सफलता प्राप्त करने के बाद महापुरुष दीक्षा दी जाती है। इसके बाद यज्ञोपवीत होता है। इस प्रकिया को पूरी करने के बाद वह अपना और अपने परिवार का पिंडदान करते हैं जिसे बिजवान कहा जाता है। वह 17 पिंडदान करते हैं जिसमें 16 अपने परिजनों का और 17 वां खुद का पिंडदान होता है। अपना पिंडदान करने के बाद वह अपने आप को मृत सामान घोषित करते हैं जिसके बाद उनके पूर्व जन्म को समाप्त माना जाता है। पिंडदान के बाद वह जनेऊ, गोत्र समेत उनके पूर्व जन्म की सारी निशानियां मिटा दी जाती हैं। इसके कारण नागा साधुओं के लिए सांसारिक जीवन का कोई महत्व नहीं होता है। नागा संन्यासी अपने समुदाय को ही अपना परिवार मानते हैं। वह कुटिया बनाकर रहते हैं और इनकी कोई विशेष जगह और घर नहीं होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि नागा साधू सोने के लिए बिस्तर का भी इस्तेमाल नहीं करते हैं। नागा साधुओं के शव को नहीं जलाया जाता है। नागा संन्यासियों का मृत्यू के बाद भू-समाधि देकर अंतिम संस्कार किया जाता है। नागा साधुओं को सिद्ध योग की मुद्रा में बैठाकर भू-समाधि दी जाती है।

संगम की रेती पर अपनी धूनी रमाएं ये नागा साधु पूरे कुंभ अवधि तक कल्पवास के महत जप-तप करते है. बता दें, नागा साधुओं का एक योद्धा रूप के रूप में जिक्र किताबों में भले ही कम मिलता हो लेकिन इतिहास गवाह है कि जब-जब धर्म को बचाने की अंतिम कोशिशें बेकार होती दिखी हैं, तब-तब नागा साधुओं ने धर्म की रक्षा के लिए ना सिर्फ हथियार उठाए हैं, बल्कि उनका डटकर मुकाबला भी किया है। धर्म रक्षा के मार्ग पर चलने के लिए ही नागा साधुओं ने अपने जीवन को इतना कठिन बना लिया है ताकि विपरीक्ष परिस्थितियों का सामना कर चुनौतियों से निपटा जा सके. क्योंकि जब कोई अपने जीवन में संघर्ष नहीं करेगा तो वह धर्म की रक्षा कैसे कर पाएगा. कहा यह भी जाता है कि जब 18वीं शताब्दी में अफगान लुटेरा अहमद शाह अब्दाली भारत विजय के लिए निकला तो उसकी बर्बरता से इतना खून बहा कि आजतक इतिहास के पन्नों में अब्दाली का जिक्र दरिंदे की तरह किया जाता है. उसने जब गोकुल और वृंदावन जैसी आध्यात्मिक नगरी पर कब्जा करके दरिंदगी शुरू की तब राजाओं के पास भी वो शक्ति नहीं थी जो उससे टकरा पाते. लेकिन ऐसे में हिमालय की कंदराओं से निकली नागा साधुओं ने ही अब्दाली की सेना को ललकारा था. उस दौर के गजेटियर में यह भी लिखा है कि 1751 के आसपास अहमद खान बंगस ने कुंभ के दिनों में इलाहाबाद के किले पर चढ़ाई की और उसे घेर लिया. हजारों नागा संन्यासी उस समय स्नान कर रहे थे, उन्होंने पहले सारे धार्मिक संस्कार पूरे किए फिर अपने शस्त्र धारण कर बंगस की सेना पर टूट पड़े. तीन महीने तक जमकर युद्ध चला, अंत में पवित्र नगरी प्रयागराज की रक्षा हुई और अहमद खां बंगस की सेनाको हार मानकर पीछे लौटना पड़ा. नागा साधु पूरे भारतवर्ष में जहां जो काम ना होता हो वहां पर अड़कर के उस कार्य को सफल कर देते हैं. चाहे रिद्धि के द्वारा, या फिर तन के द्वारा.

धार्मिक ग्रंथों में इस बात का जिक्र है कि आठवीं शताब्दी में सनातन धर्म की मान्यताओं और मंदिरों को खंडित किया जा रहा था। यह देखकर आदि गुरु शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की और वहीं से सनातन धर्म की रक्षा का दायित्व संभाला। इसके बाद आदि गुरु शंकराचार्य को लगा कि सनातन परंपराओं की रक्षा के लिए सिर्फ शास्त्र ही काफी नहीं हैं, शस्त्र की भी जरूरत है। तब उन्होंने अखाड़ा परंपरा की शुरूआत की। इसमें धर्म की रक्षा के लिए मर-मिटने वाले संन्यासियों को प्रशिक्षण देनी शुरू की गई। नागा साधुओं को उन्हीं अखाड़ों का धर्म रक्षक माना जाता है। बताया जाता है कि नागा साधुओं के पास रहस्यमयी शक्तियां होती हैं। वह कठोर तपस्या करने के बाद इन शक्तियों को हासिल करते हैं। हालांकि वह कभी भी अपनी इन शक्तियों का गलत इस्तेमाल नहीं करते हैं। वह अपनी शक्तियों से लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं। नागा साधु किस जगह कहा दीक्षा लेगा ये महंतों के द्वारा निश्चित किया जाता है। इसके बाद नागा साधु बनने से पहले किसी भी व्यक्ति को शुरूआत में तीन सालों तक महंत की सेवा करनी होती है। इस दौरान उनकी ब्रह्मचर्य की भी परीक्षा होती है। अगर ब्रह्मचर्य व्रत को साधु पूरा कर लेता है तो उसे आगे बढ़ने का मौका मिलता है। आक्रामक नागा साधुओं को उज्जैन में दीक्षा दी जाती है। इन्हें कई रातों तक ह्लॐ नमः शिवायह्ल मंत्र का जप करना होता है। इसके बाद अखाड़े के प्रमुख महामंडलेश्वर द्वारा विजया हवन करवाया जाता है। हवन पूरा होने के बाद साधु को शिप्रा नदी में 108 बार फिर से डुबकी लगानी होती है। इसके बाद उज्जैन में कुंभ मेले के दौरान अखाड़े के ध्वज के नीचे नागा साधु को दंडी त्याग करवायी जाती है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही एक नागा साधु पूर्ण रूप से आक्रामक नागा साधु बनता है। जिस तरह उज्जैन में दीक्षित होने वाले नागा साधु को आक्रामक कहा जाता है, उसी तरह हरिद्वार में दीक्षा ग्रहण करने वाले साधु को बर्फानी नागा साधु कहते हैं। हालांकि छल-कपट और बैर किसी के प्रति इनके मन में नहीं होता। इन साधुओं को नागाओं की सेना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। धर्म की रक्षा के लिए ये हमेशा आगे रहते हैं, धर्म रक्षा के लिए अपनी बलि देने और दूसरों की बलि लेने से भी ये पीछे नहीं हटते।

सज-धज कर करते है शाही स्नान

शाही स्नान के दौरान श्रृंगार पूरा ध्यान रखते हैं। शाही स्नान में शामिल होने से पहले नागा साधु 17 श्रृंगार करते हैं। भभूत, लंगोट, चंदन, पैरों में कड़ा (चांदी या लोहे का), पंचकेश, अंगूठी, फूलों की माला (कमर में बांधने के लिए), हाथों में चिमटा, माथे पर रोली का लेप, डमरू, कमंडल, गुथी हुई जटा, तिलक, काजल, हाथों का कड़ा, विभूति का लेप व रुद्राक्ष इनका श्रृंगार है। ये श्रृंगार करके नागा साधु संगम में डुबकी लगाते हैं। उस वक्त मंत्रोच्चारण होता है, शंख ध्वनि बजती है और धूप-दीप से वातावरण आध्यात्मिक और भक्तिमय हो जाते हैं, मानों आत्मा का परमात्मा से मिलन यहीं हो रहा हो. महाकुंभ के दौरान ही 12 साल के कड़े तप के बाद नागा साधुओं की दीक्षा भी पूर्ण होती है। नागा साधु महाकुंभ में तब डुबकी लगाते हैं जब उनकी साधना पूरी होती है और उनका शुद्धिकरण हो चुका होता है। इसके ठीक उलट आम लोग गंगा में डुबकी लगाने के बाद शुद्ध होते हैं। नागा साधुओं को एक दिन में सिर्फ सात घरों से भिक्षा मांगने की इजाजत होती है। अगर उनको इन घरों में भिक्षा नहीं मिलती है, तो उनको भूखा ही रहना पड़ता है। नागा संन्यासी दिन में सिर्फ एक बार ही भोजन करते हैं।

महिला नागा साधु भी होती है कुंभ का हिस्सा

पुरुषों की तरह ही महिला नागा साधू भी होती हैं। महिला नागा साधू भी अपने जीवन को पूरी तरह से ईश्वर को समर्पित कर देती हैं। इनकी भी जीवन लीला सबसे निराला और अलग होता है। गृहस्थ जीवन से दूर इनके भी दिन की शुरूआत और अंत दोनों पूजा-पाठ के साथ ही होती है। इनका जीवन कई तरह की कठिनाइयों से भरा होता है। महिला नागा साधु बनने के बाद सभी साधु-साध्वियां उन्हें माता कहकर पुकारती हैं। माई बाड़ा में महिला नागा साधु होती हैं जिसे अब विस्तृत रूप देने के बाद दशनाम संन्यासिनी अखाड़ा का नाम दिया गया है। साधु-संतों में नागा एक पदवी होती है। साधुओं में वैष्णव, शैव और उदासीन संप्रदाय हैं। इन तीनों संप्रदायों के अखाड़े नागा साधु बनाते हैं। पुरुष नागा साधु नग्न रह सकते हैं, लेकिन महिला नागा साधु को इसकी इजाजत नहीं होती है। पुरुष नागा साधुओं में वस्त्रधारी और दिगंबर (निर्वस्त्र) होते हैं। महिलाओं को भी दीक्षा दी जाती है और नागा बनाया जाता है, लेकिन वह सभी वस्त्रधारी होती हैं। महिला नागा साधुओं को अपने मस्तक पर तिलक लगाना जरूरी होता है। लेकिन वह गेरुए रंग का सिर्फ एक कपड़ा पहन सकती हैं जो सिला हुआ नहीं होता है। इस वस्त्र को गंती कहा जाता है। नागा साधु बनने कि लिए इनको कड़ी परीक्षा से गुजरना होता है। नागा साधु या संन्यासनी बनने के लिए 10 से 15 साल तक कठिन ब्रह्मचर्य का पालन करना जरूरी होता है। नागा साधु बनने लिए अपने गुरु को यकीन दिलाना होता है कि वह इसके लिए योग्य हैं और अब ईश्वर के प्रति समर्पित हो चुकी हैं। इसके बाद गुरु नागा साधु बनने की स्वीकृति देते हैं। नागा साधु बनने से पहले महिला की बीते जीवन के बारे में जाना जाता है। यह देखा जाता है कि वह ईश्वर के प्रति समर्पित है या नहीं। नागा साधु बनने के बाद कठिन साधना कर सकती है या नहीं। नागा साधु बनने से पहले महिला को जीवित रहते अपना पिंडदान करना होता है और मुंडन कराना पड़ता है। इसके बाद महिला को नदी में स्नान कराया जाता है। महिला नागा साधु पूरा दिन भगवान का जाप करती हैं और सुबह ब्रह्ममुहुर्त में उठ कर शिवजी का जाप करती हैं। शाम को दत्तात्रेय भगवान की पूजा करती हैं। दोपहर में भोजन के बाद वह शिवजी का जाप करती हैं। अखाड़े में महिला नागा साधु को पूरा सम्मान दिया जाता है। नागा साधुओं के साथ ही महिला साधु भी शाही स्नान करती हैं। हालांकि, पुरुष नागा के स्नान करने के बाद वह नदी में स्नान करती हैं। अखाड़े की महिला नागा साध्वियों को माई, अवधूतानी या नागिन कहकर बुलाया जाता है। लेकिन माई या नागिनों को अखाड़े के किसी प्रमुख पद के लिए नहीं चुना जाता है।

श्री वेंकटेश देवस्थान में श्री गोदाम्बाजी विवाहोत्सव मनाया जायेगा

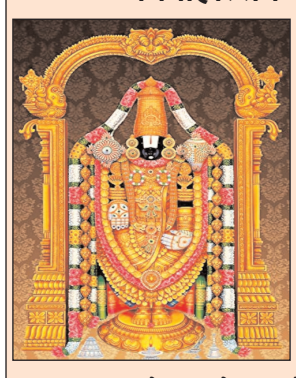

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री वेंकटेश देवस्थान फणसवाडी के व्यवस्थापक सुरेश चौधरी ने जानकारी दी है कि श्री गोदाम्बाजी का धनुमासव्रतस्नानोत्सव तथा विवाहोत्सव (कल्याण उत्सव) सोमवार 13 जनवरी 2025 को बड़े धूमधाम से मनाया जायेगो धनुर्मास के अंतिम दिन को प्रातः 7.30 बजे नारायण रंगनाथ एवं गोदाम्बाजी का विवाहोत्सव श्रीवेंकटेश देवस्थान फणसवाडी में होगा। परिसर में सवारी दर्शन एवं प्रसाद वितरण किया जाएगी एवं रात 9.30 बजे शयन होगा। उसके बाद बुधवार 15 जनवरी 2025 को गोदाम्बाजी बिदाई समारोह रात9.30 बजे देवस्थान प्रांगण में संपन्न होगा। सभी धर्म अनुयायी भक्तों से निवेदन है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्य का लाभ प्राप्त करें।

भांडुप में भव्य श्री राम कथा में मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भांडुप पश्चिम के कैलाश पार्क में भांडुप नागरिक विकास परिषद द्वारा आयोजित भव्य श्री राम कथा का आज अंतिम दिन है। जिसमें हजारों भक्त श्रीराम की लीला सुनने के लिए उपस्थित हुए। कथा में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं मुंबई प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार का परिषद् के अध्यक्ष एडवोकेट रविंद्र सिंह, महासचिव श्री स्वामीनाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष श्री संजय शुक्ल एवं संयोजक श्री के आर सिंह जी सहित अन्य ने स्वागत किया।

अयोध्या से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पद्मेश महाराज ने व्यास पीठ से कथा के अंतिम दिन सीता हरण, लंका दहन, राम-रावण युद्ध, विभीषण का राज्याभिषेक सहित राजा राम के राज तिलक प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज ने कहा कि रामायण हमें जीने के तरीके सिखाती है। कथा व्यास ने श्रीराम कथा का वर्णन करते हुए कहा गया कि दूसरों की सम्पत्ति चाहे कितनी भी मूल्यवान हो उस पर हमारा कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने आगे कहा,चौदह वर्ष वनवास पूर्ण करने के बाद भगवान श्रीराम जब वापस अयोध्या पहुंचे तो अयोध्यावासी खुशियों से झूम उठे। रामायण हमें आदर, सेवा भाव, त्याग व बलिदान के साथ दूसरों की सम्पत्ति पर हमारा कोई अधिकार नहीं है, ऐसा सिखाती है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने दीन-दुखियों, वनवासियों आदिवासियों के कष्ट दूर करते हुए, उन्हें संगठित करने का कार्य किया एवं उस संगठित शक्ति के द्वारा ही समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया। महाराज ने कहा श्रीराम की कथा आंसुओं, त्याग, समर्पण और प्रेम की कथा है, जो जीवन को दिव्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

इस आयोजन में भांडुप नागरिक विकास परिषद के सभी गणमान्य व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समाजसेवी अविनाश पांडेय ने श्री राम कथा के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान दिया, जिससे इस भव्य आयोजन में भक्तों की उपस्थिति और श्रद्धा में वृद्धि हुई। कथा के आयोजन में भक्तों का उत्साह और श्रीराम के प्रति अटूट आस्था स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

नवी मुंबई में उन्नत 'लिवर इंटेन्सिव केयर यूनिट' शुरू

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में नया 12 बिस्तरों का लिवर इंटेन्सिव केयर यूनिट शुरू किया है। एक्यूट लिवर फेल्युअर, पुरानी बीमारी का इलाज और ट्रांसप्लांट रिकवरी के लिए व्यापक देखभाल यहां प्रदान की जाएगी। नवी मुंबई क्षेत्र में अपनी तरह की यह पहली सुविधा है जो लिवर बिमारियों के देखभाल के लिए एक अग्रणी विकल्प बनाएगी।

भारत में लिवर रोग एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन गए हैं। 2015 में लिवर की बिमारियों की वजह से पूरी दुनिया में हुई कुल 20 लाख मौतों में से 18.3% भारत में हुई। क्रोनिक लिवर रोग शराब के सेवन, वायरल हेपेटाइटिस, गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (और आनुवंशिक विकारों से पैदा होता है। भारत में 40 मिलियन से ज्यादा लोग हेपेटाइटिस इ से संक्रमित हैं, और हर साल लगभग 600,000 लोग अपनी जान गवा देते हैं। क्रोनिक हेपेटाइटिस सी लीवर कैंसर के 32% और सिरोसिस के 20% मामलों का कारण होता है, फिर भी ज्यादातर प्रभावित लोगों को अपने संक्रमण का पता ही नहीं होता है। हेपेटाइटिस ई वायरस तीव्र हेपेटाइटिस के 10-40% मामलों का कारण बनता है और गर्भवती महिलाओं में इसकी मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। आबादी में 9% से 32% को प्रभावित करता है और यह लिवर की बिमारियों की वजह से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है।

वायरल संक्रमण और दवा टॉक्सिसिटी के कारण होने वाला एक्यूट वकृत फेलियर आमतौर पर वयस्कों में हेपेटाइटिस ए (23-56.5%) और बच्चों में हेपेटाइटिस ए (10-71%) की वजह से होता है। भारत में हर साल अंतिम चरण की लिवर बीमारी के 2 लाख नए मामले आते हैं और हर साल 25,000 ट्रांसप्लांट्स की जरूरत होती है, लिवर की बीमारी का बोझ लगातार बढ़ रहा है। समय रहते, जल्द से जल्द बीमारी का लगाने और उन्नत देखभाल तक पहुंच को बढ़ाने की बहुत ज्यादा जरूरत है। डॉ.अमेय सोनवने, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी-हेपेटोलॉजी कंसल्टेंट, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने कहा,"भारत में लिवर की बीमारी एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। 5 में से 1 वयस्क में लिवर संबंधी बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। खराब आहार, शराब का बहुत ज्यादा सेवन, गतिहीन जीवन शैली, वायरल संक्रमण और कुछ आनुवंशिक कारणों से फैटी लिवर रोग, हेपेटाइटिस और सिरोसिस सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। अनुमान है कि लिवर की बीमारी के लिए विशेष देखभाल की मांग काफी बढ़ेगी। डॉ.गुरुप्रसाद शेट्टी, लीड-एचपीबी और लीवर ट्रांसप्लांटेशन सर्जरी, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने कहा,"भारत में लिवर की बीमारी के बढ़ते बोझ के कारण विशेष देखभाल की आवश्यकता बढ़ रही है और हमारे समर्पित लीवर आईसीयू की शुरूआत इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। किडनी फेलियर के लिए डायलिसिस है लेकिन ऐसी कोई मशीन नहीं है जो लिवर के फेल होने पर उसका काम कर सके, इसलिए आने वाले दिनों में लिवर बीमारी में उन्नत देखभाल की मांग बढ़ती जाएगी।

रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशियों को पोस्टर के माध्यम से चेतावनी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर के साथ मुंबई के अंधेरी और जोगेश्वरी इलाकों में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के खिलाफ चेतावनी देते हुए लगे पोस्टर चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। इस पोस्टर में बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है, अगर आप बांग्लादेशी घुसपैठिए, रोहिंग्या यहां हैं, तो हमारी कॉलोनी, हमारा शहर, हमारा जिला, हमारा राज्य, हमारा देश, हमारे स्कूल-कॉलेज, हमारी दुकानें, कारोबार, व्यापार, नौकरियां, घर और यहां से चले जाएं। ऐसा माना जा रहा है कि यह पोस्टर विश्वबंधु राय नामक भाजपा नेता ने लगाया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान विश्वबंधु राय ने योगी आदित्यनाथ के नारे बांटोगे तो कटोगे को लेकर कई पोस्टर लगाए थे। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार के नेतृत्व में पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां ??अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं। ऐसे समय में मुंबई में योगी आदित्यनाथ की तस्वीर वाले इस पोस्टर की जमकर चर्चा हो रही है।

बता दें कि मुंबई भाजपा सचिव विश्वबंधु राय ने मुंबई पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में मांग की है कि मुंबई पुलिस बांग्लादेशी लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर जारी करे। जिस पर आम नागरिक अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के बारे में जानकारी दे सकें, ताकि पुलिस समय रहते कार्रवाई कर सके। राय ने कहा कि ये विदेशी नागरिक भारतीयों के भोजन, बिजली, पानी और तमाम सुविधाओं का दुरूपयोग करके समाज में अपराध बढ़ा रहे हैं। गौरतलब हो कि यहां दो शहरों में अलग-अलग एसआईटी के माध्यम से जांच चल रही है। इनके कार्यक्षेत्र में कई सरकारी अधिकारी, नेता, राजनीतिज्ञ और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले सिंडिकेट शामिल हैं। भाजपा नेता विश्वबंधु राय ने कहा कि वोट बैंक बढ़ाने के लिए बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों में जालसाजी की जाती है। एक बार जन्म प्रमाण पत्र बन जाने के बाद आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस आसानी से बन जाते हैं। इसके बाद वोटिंग कार्ड और बैंक खाते खोले जाते हैं। इतना ही नहीं, एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ है कि इनमें से कई बांग्लादेशी नागरिकों के पास जाली भारतीय पासपोर्ट भी थे। बड़ी बात यह है कि जिन लोगों के फर्जी निवास प्रमाण नासिक के मालेगांव में बनवाए गए, उनके पासपोर्ट गुजरात के सूरत पासपोर्ट कार्यालय से बनवाए गए हैं।

विद्याविहार में आए दिन सड़क पर सांप, बिच्छू दिखाई देने से महिलाओं में भय का आलम

मुंबई। विद्या की नगरी के नाम से विख्यात विद्याविहार पूर्व के चित्तरंजन नगर इलाके में आए दिन सड़क पर सांप बिच्छु दिखाई देने से यहां से आने वाली

महिलाओं में भय व्याप्त है।। बता दें कि राजावाड़ी अस्पताल में आने वाली नर्सों और अन्य महिलाओं को आए दिन सांप बिच्छू दिखाई देने से उन्होंने यह मामला शिव आरोग्य सेना के मुंबई समन्वयक प्रकाश वाणी और विधानसभा संगठक सचिन भांगे के समक्ष उठाया। स्थानीय मलिलाओं और शिव आरोग्य सेना के पदाधिकारियों ने इस स्थान पर गंदगी का निरीक्षण किया। शिव आरोग्य सेना की अध्यक्ष डॉ. शुभा राउल, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. किशोर थानेकर. राज्य समन्वयक जितेंद्र सकपाल के निदेर्शानुसार मुंबई समन्वयक प्रकाश वाणी और सचिन भांगे ने सहायक आयुक्त एन प्रभाग को एक पत्र सौंपकर इस इलाके की तत्काल सफाई की मांग की।

सिर्फ 5699 रुपये में आइटेल ने लॉन्च किया जेनो 10

मुंबई। भारत के अग्रणी टेक्नोलॉजी ब्रांड आइटेल ने अपना नया स्मार्टफोन जेनो 10 लॉन्च किया है, जो एंट्री-लेवल स्मार्टफोन बाजार में नई संभावनाएं लेकर आया है। यह स्मार्टफोन आधुनिक तकनीक से लैस है और खासतौर पर जेनरेशन जी और बजट के प्रति जागरूक ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। जेनो 10 में लेटेस्ट एंड्रॉयड 14 ओएस, पावरफुल ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 5000`अँ की दमदार बैटरी दी गई है, जिससे यह डिवाइस न केवल स्टाइलिश है, बल्कि परफॉर्मेंस में भी बेहतरीन है। आइटेल ने जेनो 10 को केवल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है और इसके लिए खासतौर पर अमेजन के साथ साझेदारी की है। 3 जीबी रैम वाला वैरिएंट 5699 रुपये की बेहद किफायती कीमत पर उपलब्ध है, जबकि 4 जीबी रैम वैरिएंट मात्र 5999 रुपये में मिल रहा है। इन कीमतों पर बैंक ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं, जिससे यह स्मार्टफोन और भी आकर्षक हो जाता है। आइटेल का यह नया फोन न केवल किफायती है, बल्कि टेक्नोलॉजी और स्टाइल का परफेक्ट मिश्रण भी है, जो निश्चित रूप से युवाओं और नए ग्राहकों का दिल जीत लेगा। अगर आप पहली बार स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे हैं, तो जेनो 10 आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है।

यह स्मार्टफोन उन सभी फीचर्स से लैस है, जो आपके अनुभव को बेहतर और मजेदार बनाएंगे। जेनो 10 न सिर्फ सुरक्षा और शानदार प्रदर्शन प्रदान करता है, बल्कि इसमें ऑप्टिमाइज्ड सॉल्यूशंस भी हैं, जो इसे इस्तेमाल करने में बेहद आसान बनाते हैं।

इन्दिरा आईवीएफ का मुम्बई में 12वां हॉस्पिटल भिवंडी में शुरू

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। निःसंतानता से प्रभावित दम्पतियों को अब उपचार के लिए दूर शहरों की यात्रा नहीं करनी होगी, भारत में फर्टिलिटी ट्रीटमेंट के क्षेत्र में सबसे बड़ी श्रृंखला इन्दिरा आईवीएफ ने फर्स्ट फ्लोर, सूर्या एक्सीलेंसी, मौजे नारपोली, जीपी पारसिक बैंक के ऊपर भिवंडी में अपना आधुनिकतम सेंटर शुरू किया है। हॉस्पिटल का उद्घाटन इन्दिरा आईवीएफ भाण्डुप सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. रिनॉय श्रीधरन और भिवंडी हेड डॉ. सोनम मनोज तुरकर ने फीता काटकर किया। उच्च सफलता दर, मरीज की समस्या के अनुरूप उपचार और आधुनिकतम तकनीकी के उपयोग के लिए प्रसिद्ध इन्दिरा आईवीएफ ने महाराष्ट्र में अपने 28 वें हॉस्पिटल का उद्घाटन किया है। ग्रुप के भारत में 160 से अधिक हॉस्पिटल संचालित हो रहे हैं। इन्दिरा आईवीएफ से उपचार प्राप्त करके अभी तक एक लाख साठ हजार से

अधिक दम्पतियों के सफल आईवीएफ प्रोसिजर हो चुके हैं।

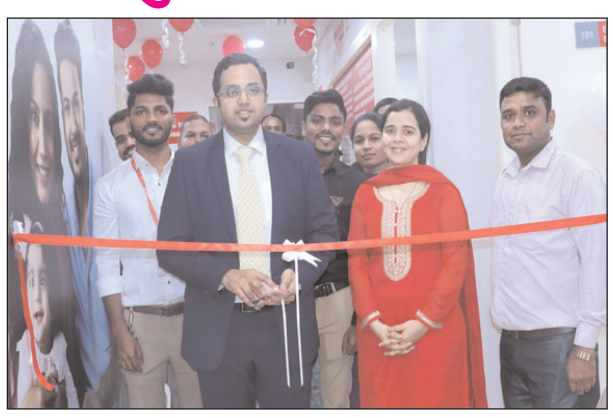

इस अवसर पर इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर और कॉ-फाउण्डर डॉ. नितिज मुर्डिया ने कहा, हम भिवंडी में अपना नवीनतम हॉस्पिटल शुरू करके खुश हैं, ताकि परिवार पूरा करने की इच्छा रखने वाले दम्पतियों को अत्याधुनिक उपचार सहायता प्रदान की जा सके। आंकड़ों के अनुसार, भारत में 10-15 प्रतिशत दम्पती निःसंतानता से जूझते हैं, इन्दिरा आईवीएफ का मिशन ऐसे दम्पतियों में निःसंतानता से जुड़ी गलत जानकारियों और धारणाओं को खत्म करना और सही जानकारी का प्रसार करने में मदद करना है। हम समझते हैं कि निःसंतानता एक दम्पती के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है और इसलिए हम एक ही छत के नीचे समस्त निःसंतानता उपचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इन्दिरा आईवीएफ भाण्डुप सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. रिनॉय श्रीधरन ने कहा कि भारत में फर्टिलिटी उपचार से संबंधित जागरूकता काफी सीमित है। 6 में से 1 दम्पती को संतान प्राप्ति में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आईवीएफ प्रक्रिया के बारे में बताते हुए, इन्दिरा आईवीएफ भिवंडी हेड डॉ. सोनम मनोज तुरकर ने कहा कि आईवीएफ उपचार शुरू करने से पहले दंपती को विभिन्न विकल्पों और परिणामों के बारे में सलाह दी जाती है। इसके बाद निःसंतानता के कारण को निर्धारित करने और उपचार योजना तैयार करने के लिए दोनों का परीक्षण किया जाता है। ओवेरियन स्टीमुलेशन, अण्डे निकालना, वीर्य संग्रह, निषेचन, भ्रूण का विकास , भ्रूण स्थानांतरण और बाद में प्रेगनेंसी परीक्षण सभी महत्वपूर्ण चरण हैं जिनका आईवीएफ प्रक्रिया के दौरान पालन किया जाता है।

कोंकण महोत्सव जैसे सांस्कृतिक एवं पारंपरिक समारोहों का आयोजन सराहनीय: आशीष शेलार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा मुंबई अध्यक्ष और महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री, सलाहकार। विधान परिषद समूह नेता आशीष शेलार, विधायक प्रवीण दरेकर और विधायक मिहिर कोटेचा मुलुंड मे आयोजित कोकण महोत्सव कार्यक्रम मे उपस्थित थे। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन पूर्व नगरसेवक एवं मुलुंड सेवा संघ के अध्यक्ष प्रकाश गंगाधरे द्वारा किया गया। महाराष्ट्र के मंत्री बनने के बाद पहली बार मुलुंड आए आशीष शेलार ने कोकण महोत्सव के सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रदर्शन की सराहना की. उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन ने उपस्थित भाजपा

कार्यकताओं एवं नागरिकों में नई ऊर्जा का संचार किया।

कोकण महोत्सव 2024-25 को और अधिक सफल बनाने के लिए नागरिकों की प्रतिक्रिया और भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। इस अवसर पर उत्तर पूर्व मुंबई जिला अध्यक्ष दीपक दलवी और मुंबई हाउसिंग फेडरेशन के अध्यक्ष प्रकाश दरेकर, पूर्व नगरसेवक प्रभाकर शिंदे, सौ लक्ष्मीबाई इंग्लिश मिडीयम स्कूल के अध्यक्ष प्रसाद कुलकर्णी, पूर्व नगरसेवक नंदकुमार वैती ,सहित भाजपा पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिवसेना के समीर मोरे पालघर विधानसभा संघटक व दिनेश गवई पालघर दहानू उपजिला संघटक बने

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के जिला प्रमुख समीर मोरे तथा जिला सचिव दिनेश गवई शिवसेना प्रमुख नेता व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल होने के पश्चात समीर मोरे को पालघर विधानसभा संघटक पद पर तथा दिनेश गवई को पालघर दहानू विधानसभा उपजिला संघटक पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति शिवसेना सचिव संजय पुष्पलता भाऊराव मोरे के हस्ताक्षर युक्त नियुक्त प्रमाण पत्र जारी करते हुए की गई है। समीर मोरे को पालघर विधानसभा संघटक तथा दिनेश गवई को पालघर दहानू विधानसभा उपजिला संघटक बनाये जाने पर

शिवसेना पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे ने कहा कि अभी दो दिन पहले ही मनसे के जिला और तालुका स्तर के पदाधिकारियों के शिवसेना में शामिल होने से मनसे को बड़ा झटका लगा है, जिससे शिवसेना की ताकत बढ़ गई है और भविष्य में अन्य पदाधिकारियों को भी अलग-अलग भूमिकाओं में समायोजित किया जायेगा।

कुन्दन संखे ने कहा कि भविष्य में भी शिवसेना प्रमुख व उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जिले के विभिन्न दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल होंगे।

एचएमपीवी के प्रसार को रोकने के लिए तत्काल युद्ध स्तर पर पुख़्ता इंतजाम शुरू करें: गोविंद भाई परमार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश में एचएमपीवी वायरस के कुछ मामले गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और यहां तक कि महाराष्ट्र राज्य में भी पाए गए हैं। महाराष्ट्र को सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि नागपुर में एचएमपीवी वायरस के दो मामले पाए गए हैं।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस सफाई कामगार सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और मनपा आयुक्त से मांग की है कि बिना किसी देरी के एचएमपीवी के प्रसार को रोकने के लिए सावधानी बरतते हुए, हवाई अड्डे की स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। जिस तरह कोरोना बीमारी की रोकथाम के लिए महाराष्ट्र सरकार ने युद्ध स्तर पर कार्य किया था उसी तरह इस बीमारी को फैलने के लिए सरकार अत्यावश्यक कदम उठाए। जिससे की महाराष्ट्र में यह बीमारी न फैल सके।

एचएमपीवी वायरस के संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर , मनपा आयुक्त से गोविंद भाई परमार ने मुंबई और महाराष्ट्र के सरकारी, मनपा और निजी अस्पतालों को अभी से ही इस बीमारी के प्रसार के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग की है। इसके अलावा अस्पतालों के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों को उचित संसाधन मुहैया कराने की मांग की है। गोविंद भाई परमार ने यह भी कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक यह है कि चीन से मुंबई आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग के लिए तत्काल दिशानिर्देश जारी किए जाएं। चीनी नववर्ष की छुट्टियां 15 जनवरी से शुरू होती हैं और इस दौरान कई यात्री छुट्टियां मनाने भारत आते हैं। हमारे देश में 14 जनवरी से कई त्यौहार मनाए जाने शुरू हो जाते हैं। इन त्यौहारी दिनों में चीन से आने वाले यात्रियों के बाहर मौजूद भीड़ में मिल जाने का खतरा अधिक रहता है। इसलिए, हवाईअड्डे पर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

नितिन गडकरी ने नागपुर में कंगना रनौत और अनुपम खेर के साथ देखी फिल्म इमरजेंसी

नागपुर। अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज का इंतजार कर रही है। लंबी देरी के बाद अभिनेत्री की ये फिल्म आखिरकार 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच, कंगना ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के लिए फिल्म इमरजेंसी की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की।नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में फिल्म देखी। इस दौरान कंगना के अलावा अनुपम खेर भी उनके साथ मौजूद थे। इस दौरान की एक वीडियो गडकरी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट की और लोगों से फिल्म देखने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, 'आज नागपुर में कंगना रनौत और अनुपम खेर की फिल्म इमरजेंसी की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुआ। मैं फिल्म निमार्ताओं और अभिनेताओं को हमारे देश के इतिहास के काले अध्याय को इतनी प्रामाणिकता व उत्कृष्टता के साथ प्रस्तुत करने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं।'कंगना रनौत ने एक्स पर गडकरी की पोस्ट को शेयर कर-के आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'अपना कीमती समय देने लिए बहुत-बहुत धन्यवाद सर।' इमरजेंसी में जयप्रकाश नारायण की भूमिका निभा रहे खेर ने कहा कि फिल्म की पहली विशेष स्क्रीनिंग को मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक है। उन्होंने कहा, 'मैंने भी पहली बार पूरी फिल्म देखी। बेहतरीन! दुनिया को, खासकर युवा भारतीय पीढ़ी को, कई कारणों से इसे देखना चाहिए। फिल्म में श्रेयस तलपड़े ने युवा अटल बिहारी वाजपेयी, मिलिंद सोमन ने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ, महिमा चौधरी ने पुपुल जयकर और सतीश कौशिक नेजगजीवन राम की भूमिका निभाई है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिले में 27 जनवरी से किसी भी पेट्रोल पंप पर बिना हेल्मेट वालों को नहीं मिलेगा पेट्रोल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने अवगत कराया है कि जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा ₹नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति लागू करने की अपेक्षा की गयी है।केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा-129 एवं उ०प्र० मोटर यान नियमावली-1998 के नियम-201 के अनुसार सभी मोटर साइकिल चालकों एवं सवारियों के लिये भारतीय मानक ब्यूरो (बी०आई०एस०) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रोटेक्टिव हेड गियर (हेल्मेट) पहनना अनिवार्य है। इन प्राविधानों का उल्लंघन केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम-1998 की धारा 177 के तहत दण्डनीय है, जिसमें जुमार्ने का प्राविधान है इस सम्बन्ध में जिले में स्थित सभी पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये जाते हैं कि आगामी 07 दिवसों में अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े-बड़े होर्डिंग लगाएंगे, कि 27 जनवरी 2025 से किसी भी ऐसे दो पहिया वाहन को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जाएगा जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। सभी पेट्रोल पम्प संचालक एवं स्वामी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान में सी०सी०टी०वी० कैमरा सदैव सक्रिय रहे ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में सी०सी०टी०वी० फुटेज का अवलोकन कर आवश्यक निर्णय लिया जा सके।

खेतासराय पुलिस ने अंटा चाईनीज मांझा के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 दिनेश चन्द्र जिलाधिकारी जौनपुर एवं डा0 कौस्तुभ पुलिस कप्तान जौनपुर द्वारा जनपद में चायनीज मांझा के विरुद्ध चलाए जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर अजित सिंह चौहान के कुशल पर्वेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम ने रामाश्रय राय, थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल मार्गदर्शन में कस्बा खेतासराय में चायनीज मांझा/नायलान तांत बेच रहे पवन कुमार गुप्ता पुत्र पूरनलाल गुप्ता

निवासी वार्ड नं0-09 गोला बाजार न0पं0 खेतासराय थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को करीब 250 अंटा नायलान के तांत के साथ पकड़ा गया माल को जब्त किया गया। नाम पता अभियुक्त पवन कुमार गुप्ता पुत्र पूरनलाल गुप्ता निवासी वार्ड नं0-09 गोलाबाजार थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण करीब 250 अंटा नाइलान तांत।

संदिग्ध अवस्था में मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रविवार को एक युवक का शव पाया जाने से कोतवाली क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार नगर के आजमगढ़ रोड स्थित कांशीराम शहरी आवास कॉलोनी में रविवार की दोपहर कॉलोनी के सामने सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में पड़ा युवक का शव मिला। मृत युवक के शरीर पर काले रंग का जैकेट और एक कलर फुल जैकेट गले में मफरल एवं पैरो में

चप्पल पहना हुआ था। युवक शव पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और वहां पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अपने साथ ले गई। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि एक युवक का शव मिला है जिसके शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल खबर लिखे जाने तक उक्त शव का शिनाख्त नहीं हो पाया था।

स्वामी विवेकानन्द के पदचिन्हों पर चलते हुए देश निर्माण में अपना योगदान प्रदान करने का लें संकल्प: तबरेज आलम

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।शाहगंज 12 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद

की 162 वीं जयंती ₹राष्ट्रीय युवा दिवस₹ के रूप में फरीदुल हक मेमोरियल पी0जी0कालेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में आयोजित की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.तबरेज आलम ने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए छात्रों का आह्वान किया कि उनके पदचिन्हों पर चलते हुए देश निर्माण में अपना योगदान प्रदान करने का संकल्प लें। डॉ.तबरेज आलम ने कहा कि हम जिस भी क्षेत्र में हैं उसमें बेहतर करने का प्रयास करें तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य व बेहतर जीवन को प्राप्त करने में स्वामी जी के पदचिन्हों पर चलकर एक बेहतर भारत का निर्माण कर सकते हैं और यही स्वामी जी के प्रति हमारे सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर निशांत सागर, प्रियंका यादव, साक्षी चौहान, मोहम्मद फैज, राजू, मोहम्मद जाकिर, संजना, प्रीतीबाला, फरहत, सानिया, करीना, पूजा यादव, प्रिन्स कुमार आदि उपस्थित रहे। अन्त में वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.अमित कुमार गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया।

बसंती देवी आईटीआई में लगा रोजगार मेला, 45 छात्र हुए चयनित

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बसंती देवी आईटीआई में औरंगाबाद महाराष्ट्र की धूत कंपनी द्वारा रोजगार मेला लगाया गया, जिसमें साक्षात्कार

द्वारा 45 छात्रों को नौकरी मिली। मेला में विभिन्न जिलों से आए छात्रों ने प्रतिभाग किया। धूत कंपनी के प्रतिनिधि अभिनव यादव ने कंपनी के बारे में एवं जॉब प्रोफाइल पर विस्तार से चर्चा की और नौकरी के संबंध में छात्रों की समस्त जिज्ञासाओं को दूर किया। प्रबंधक डॉ. राजकुमार मिश्र ने कंपनी के प्रतिनिधि का स्वागत किया और इतनी दूर से आकर रोजगार मेला लगाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आगे भी छात्रों को बेहतर से बेहतर रोजगार दिलाने के लिए प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के रोजगार अधिकारी विकास जायसवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इश्नरायण मिश्र, सुनील तिवारी, राजेश यादव, सुरेंद्र तिवारी, अजीम खान, रतन भंडारी आदि का विशेष योगदान रहा।

हम सभी को युगपुरूष स्वामी विवेकानन्द की कार्यशैली से प्रेरणा लेनी चाहिये: ऋषि यादव

समाजवादी कुटिया के बच्चों को वितरित किया गया पौष्टिक आहार व स्वेटर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्वामी विवेकानन्द जी ने विश्व पटल पर हमारे भारत देश का मस्तक ऊंचा करने का काम किया है जिसके चलते आज हमारे अलावा पूरी दुनिया उनको युगपुरूष के नाम से जानती है। उक्त बातें समाजवादी कुटिया के बच्चों को दूध, फल, बिस्कुट के साथ ठण्ड से बचाव के लिये स्वेटर देते हुये संस्थापक/संचालक ऋषि यादव एडवोकेट ने कही। उन्होंने कुटिया के बच्चों को स्वामी विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये बताया कि हम सभी लोगों को ऐसे महापुरूष से प्रेरणा लेनी चाहिये। स्वामी जी के चित्र पर बच्चों संग पुष्प अर्पित करते हुये श्री यादव ने बताया कि कुटिया के बच्चों को उपरोक्त सामग्री के अलावा पठन-पाठन सामग्री भी दिया गया। इसी क्रम में श्री यादव ने कहा कि एक संसाधनविहीन विकलांग परिवार, जिनके भरण–पोषण की जिम्मेदारी पिछले कई वर्षों से कुटिया उठा रही है। इस मौके पर उपस्थित अभिभावकों ने एक स्वर में कहा कि समाजवादी कुटिया के संस्थापक/संचालक ऋषि यादव बच्चों के लिये प्रेरणास्त्रोत बनते जा रहे हैं। श्री यादव जहां दिव्यांग दम्पत्ति की पिछले कई वर्षों से तन, मन एवं धन से सेवा कर रहे हैं। वहीं अनुभव चौहान नामक पहलवान को गोद लेकर ऐसे जगह उनका दाखिला करवाये हैं जो आने वाले दिनों में राष्ट्रीय स्तर का पहलवान बनेगा। इस अवसर पर शिक्षक श्रीचंद्र यादव, उमाशंकर यादव, रामवृक्ष विश्वकर्मा, लाल साहब, देवीचरन, लाल बहादुर सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

अभिभावकों ने कहा- बच्चों एवं युवाओं के लिये प्रेरणा बनते जा रहे ऋषि

टाइल्स ठेकेदार को अगवाकर नगदी व मोबाइल की लूट

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय नगर के अयोध्या मार्ग स्थित चिरैया मोड़ के समीप से शनिवार की दोपहर बाइक सवार दो बदमाशों ने टाइल्स ठेकेदार को अपने साथ मोटरसाइकिल से अगवा करके ताखा पश्चिम स्थित डिग्री कॉलेज के समीप मारपीट कर 60 हजार नगदी व मोबाइल छीन कर भाग निकले। पीड़ित की सूचना पर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। जानकारी के अनुसार ताखा पश्चिम गांव निवासी विजय कुमार पुत्र दिनेश कुमार ठेकेदारी का काम करता है। शनिवार को हुब्बीगंज से लौटा जहां पर उसका काम चल रहा है। वहीं से उसको 50 हजार रुपये काम का भुगतान मिला वह रुपये लेकर चिरैया मोड़ पहुंचा। वहां पर करीब दो बजे सहज जनसेवा केन्द्र से दस रुपये खाते से निकाल कर आगे बढ़ा ही था कि बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे आवाज देकर अपने पास बुला लिया। उसके पहुंचते ही दोनों बदमाशों ने असलहे के बल पर आतंकित करके जबरन मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। ताखा पश्चिम सीडब्ल्यूसी गोदाम की तरफ से आगे निकल गए। रास्ते में डिग्री कालेज के समीप बाइक सवार बदमाशों ने मोटरसाइकिल रोक कर ठिकेदार विजय कुमार को मारपीट करके उसके पास 60 हजार नगदी व मोबाइल को लूट कर भाग निकले। पीड़ित ने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जलालपुर पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर 27 गोवंश को किया बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा ट्रक को कब्जे में लेकर ट्रक से 27 राशि गोवंशीय को किया गया बरामद।डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम व आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के एंव क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 घनानन्द त्रिपाठी के नेतृत्व में उ0नि0 अमरनाथ यादव, उ0नि0 राजित राम यादव मय हमराह कर्मचारीगण के साथ रात्रि गस्त चेकिंग के दौरान गौसेवकों आदि की सूचना पर बाकराबाद के पास से एक ट्रक यूपी44टी 3355 बरामद हुआ। जिसमें मौजूद व्यक्ति मौके से फरार हो गये। ट्रक की तलाशी ली गयी, जिसमें कुल 27 राशि गोवंशीय 06 बछिया, 06 बछडा, 03 गाय, 12 सांड एक सांड मृत बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 12/25 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध नि0 अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 व 325 बीएनएस व 207 एम0वी0 एक्ट बनाम ट्रक चालक, खलासी एवं ट्रक मालिक नाम पता अज्ञात के अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

जफराबाद पुलिस ने कजगांव में जमीनी विवाद में तीन अभियुक्तों के विरुद्ध की कार्यवाही

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस टीम ने कजगांव में आबादी के जमीनी विवाद में कब्जे दारी में उभय पक्षो द्वारा आमदा फसाद होने पर शान्ति भंग के दृष्टिगत राजेश यादव पुत्र स्व0 श्रीपती यादव निवासी कजगांव थाना जफरबाद जौनपुर व द्वितीय पक्ष के हूबलाल यादव पुत्र

जद्दू यादव निवासी कजगांव थाना जफरबाद जौनपुर व सुदामा यादव पुत्र पांचू यादव निवासी बिरछे थाना बक्शा जौनपुर को अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर अभियुक्तों को निवारक कार्यवाई अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएस में चालान मा0न्यायालय किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1.राजेश यादव पुत्र स्व0 श्रीपती यादव निवासी कजगांव थाना जफरबाद जौनपुर 2.हूबलाल यादव पुत्र जद्दू यादव निवासी कजगांव थाना जफरबाद जौनपुर 3.सुदामा यादव पुत्र पांचू यादव निवासी बिरछे थाना बक्शा जौनपुर।

मुंबई में जन्मदिन की पार्टी में पहुंच दिया आशीर्वाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले मछलीशहर तहसील के बरईपार गांव निवासी मशहूर बिजनेसमैन कलीम गौसी शेख के पुत्र शैफ के जन्मोत्सव को

मुंबई के चेंबूर इलाके में एक होटल में संपन्न हुआ। यह उनके पुत्र का छठा जन्म दिवस है वही इस में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। बॉलीवुड के लोगों के साथ सामाजिक लोग और मुंबई के नामी लोग भी शामिल हुए वही उत्तर प्रदेश से भी दर्जनों लोगों ने उक्त पार्टी में शिरकत किया था। मशहूर कॉमेडियन किंग एहसान कुरैशी भी शामिल हुए और अपने हास्य-व्यंग्य से लोगों के को खूब हंसाया। इस मौके पर कलीम शेख ने बताया कि वह हर साल अपने पुत्र शैफ का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाते हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से जौनपुर पत्रकार संघ मछली शहर के अध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय, प्रदीप कुमार यादव, कलीम शेख के पिता गौसी शेख, मेराज अहमद, अनवर अली आदि उपस्थित रहे सभी लोगों ने सैफ के उज्जवल भविष्य और दीघार्यु होने की कामना की।

केराकत में 10 लाख की ठगी का आरोप, चार पर केस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के डेहरी गांव में सहायता समूह की अध्यक्ष निर्मला देवी पर 10 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए गरीब महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई थी। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डेहरी गांव की 12 महिलाओं ने आरोप लगाया था कि निर्मला देवी जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में आशा कार्यकर्ता हैं ने समूह की 15 महिलाओं का लगभग 10 लाख रुपये लेकर फरार हो गईं। जब महिलाएं पैसा मांगने उनके घर गईं तो उनके पति तूफानी, पुत्र नितिन उर्फ गोलू, और पुत्री डिंपल ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। महिलाओं का आरोप है कि निर्मला ने बंधन बैंक से जुड़े चेतना सहायता समूह का पैसा हड़प लिया। पीड़ितों में सुषमा देवी, किरन, बाला, रंभा, नीलम और अन्य महिलाएं शामिल हैं। शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने पर महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर केराकत कोतवाली प्रभारी अवनीश कुमार राय ने अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। केराकत कोतवाली प्रभारी अवनीश कुमार राय ने बताया कि पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव 'पनेसिआ' का हुआ समापन

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 9 जनवरी से 11 जनवरी तक तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव 'पनेसिआ' का आयोजन बड़े धूमधाम से हो रहा है। इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों के बीच खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, क्विज, डिबेट और नाटक जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।वार्षिकोत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने उत्साह और ऊर्जा के साथ नृत्य, गायन, शॉर्ट फिल्म, नाटक और फैशन शो जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए विजेताओं को सर्टिफिकेट और मेडल देकर सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम में पॉपुलर डीजे, बैंड और सिंगर्स भी अपने शानदार प्रदर्शन से समां बांध रहे है। जिससे छात्रों का उत्साह और भी बढ़ गया है। खास बात यह है कि मेडिकल कॉलेज का अपना खुद का बैंड 'दी सोल बैंड' ने भी मंच पर परफॉर्म किया। इस बैंड में कॉलेज के ही छात्रों ने शानदार प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। पनेसिआ छात्रों की रचनात्मकता और उनकी प्रतिभा को उजागर करने

का एक अद्भुत मंच साबित हो रहा है।यह वार्षिकोत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है बल्कि यह छात्रों के उत्साह, सामूहिकता और रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने का प्रतीक भी है। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का मौका दिया, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।'पनेसिआ' जैसे आयोजन छात्रों के लिए प्रेरणादायक और यादगार साबित होते हैं। हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने इस भव्य आयोजन के माध्यम से शिक्षा और मनोरंजन का एक अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। पनेसिआ 2025 का उद्घाटन संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आकाश राय, प्रिंसिपल कर्नल डॉ. बी.के. प्रसाद, और चिकित्साअधीक्षक ब्रिगेडियर डॉ. अवतार नारायण ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अन्य सम्मानित सदस्य, जैसे ब्रिगेडियर डॉ. के.के. लहरी, डॉ. भयाल, डॉ. प्रीति कपूर, डॉ. पारुल अग्रवाल, डॉ. रवि, डॉ. महक जैन, और डॉ. मुकेश सहित कई फैकल्टी और छात्र उपस्थित रहे।

महाकुंभ में चंदौली से भी चली बसें, विधायक सुशील सिंह ने दिखायी हरी झंडी

चंदौली(उत्तरशक्ति)। जनपद में रविवार को विकास भवन चंदौली के पास से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों को विधायक सुशील सिंह ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं को शामिल होने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ महाकुम्भ में संगम में स्नान के लिए

श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए हर जनपद से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसे चलाई हैं। एआरएम चंदौली उमाशंकर त्रिपाठी ने कहां कि माघ मेला तक रोज बसें चंदौली से प्रयागराज जायेगी यह बस सैयराजा-चंदौली -गोधना मोड होते हुए प्रयागराज को जाएगी।

पूर्व सांसद स्व.अर्जुन सिंह यादव की पत्नी पूर्व प्रमुख कमला देवी का असामयिक निधन, पूरे क्षेत्र मे शोक की लहर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जनपद के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुकुडीपुर निवासी जौनपुर लोकसभा के पूर्व सांसद स्व0 अर्जुन सिंह यादव की पत्नी पूर्व ब्लाक प्रमुख करंजाकला (70 वर्षीय)कमला यादव का आकस्मिक निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही पूरे में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने घर पहुंच कर संवेदना जताते हुए श्रद्धांजलि दिया। स्वर्गीय कमला देवी समाजवादी पार्टी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव की माता थी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कलावती यादव की बहू थी।सपा के वरिष्ठ नेता एवं गुलाबी देवी महाविद्यालय सिद्दीकपुर के प्रबंधक लालचंद यादव लाले एव पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ जितेंद्र यादव की भाभी एवं सपा नेता विवेक यादव व डॉ आलोक यादव की बड़ी माता थी। निधन की खबर लगते ही भारी संख्या में लोग पहुंचकर शोक संवेदना जताया और उनका अंतिम संस्कार वाराणसी के मनिकणिका का घाट पर किया गया।

नेवढिया पुलिस ने नशीला पदार्थ (हेरोइन) के साथ 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं थानाध्यक्ष नेवढिया मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर 02 अभियुक्तों पवन उपाध्याय को 3.60 ग्राम हेरोइन एवं सुरेश यादव को 3.20 ग्राम हेरोइन के साथ सई नदी पुल ग्राम जेठपुरा के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0- 10/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आज से डेढ़ महीने तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जनपद

में महाकुंभ के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है इसके चलते रविवार से लेकर अगले डेढ़ महीने तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दिया गया है। इस संदर्भ में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने शनिवार को श्रद्धालुओं को सुविधा के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ जारी की है।

दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, 15 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली अतर्गत मोहल्ला अहमद खाँ मण्डी में दो पक्ष आपस में जमीनी विवाद व बाउड्री वाल बनाने को लेकर मारपीट व खूनी संघर्ष कर रहे थे कि मौके पर पीआरवी व थाना स्थानीय कि पुलिस पहुची दोनो पक्ष आपस में आमादा फसाद थे कि संज्ञेय अपराध घटित होते देख 15 लोगों को हिरासत पुलिस में लिया गया तथा प्रथम पक्ष के शोमनाथ यादव पुत्र स्व0 रामदेव यादव निवासी मोहल्ला अहमद खाँ मण्डी थाना कोतवाली जौनपुर के लिखित तहरीर के आधार पर मु0अ0स0 11/2025 धारा 191(2), 109,115(2),324(4) बीएनएस विरुद्ध 1.मनोज यादव पुत्र लाल बहादुर यादव आदि 12 नफर व द्वितीय पक्ष के मनोज कुमार पुत्र स्व0 लाल बहादुर यादव नि0 उमरपुर हरिबन्धनपुर थाना कोतवाली जौनपुर के लिखित तहरीर के आधार पर मु0अ0स0 12/2025 धारा191(2), 109,352 बीएनएस विरुद्ध 1. शोभनाथ यादव पुत्र अज्ञात 2. जितेन्द्र यादव पुत्र शोभनाथ यादव व 20-25 लोग नाम पता अज्ञात के पंजीकृत कर दोनो पक्ष के तरफ से कुल 15 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया। 1.गिरफ्तार अभियुक्त अपराधिक इतिहास- मु0अ0स0-11/2025 धारा-191(2),109, 115(2), 324(4) बीएनएस 1.मनोज यादव पुत्र स्व0 लाल बहादुर यादव 2. प्रज्जवलित यादव पुत्र स्व0 लाल बहादुर यादव 3. दिव्याश यादव पुत्र प्रज्जवलित कुमार यादव 4. अंकित यादव पुत्र मनोज कुमार यादव 5. आदर्श यादव पुत्र मनोज यादव निवासीगण उमरपुर हरिबन्धनपुर (अहमद खाँ मण्डी) थाना कोतवाली जौनपुर 6.विपिन कुमार पुत्र राम विशाल निवासी रामसमोधपुर थाना सरपतहा जौनपुर 7.प्रवीण कुमार यादव पुत्र राजेन्द्र प्रसाद यादव बवरखा थाना सरायख्वाजा जौनपुर 8. आशुतोष यादव पुत्र देवी प्रसाद यादव निवासी अजोशी थाना सिकरारा जौनपुर। 2.गिरफ्तार अभियुक्त अपराधिक इतिहास- मु0अ0स0-12/2025 धारा-191(2),109,352 बीएनएस 1.शोभनाथ यादव पुत्र स्व0 रामदेव यादव 2. जितेन्द्र यादव पुत्र शोभनाथ यादव निवासीगण उमरपुर हरिबन्धनपुर (अहमद खाँ मण्डी) थाना कोतवाली जौनपुर 3.शेरू यादव उर्फ शमसेर पुत्र श्यामनारायन यादव निवासी नईगंज थाना कोतवाली जौनपुर 4. विकास यादव पुत्र सत्येन्द्र यादव निवासी चाँदपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर 5. प्रदीप यादव पुत्र राम जियावन यादव निवासी दिरयावगंज थाना बक्सा जौनपुर 6.बन्टी यादव पुत्र कृपाशंकर यादव निवासी पाली थाना मडियाहूँ जौनपुर 7.अमन यादव पुत्र छोटेलाल यादव निवासी त्रिलोचन महोदव थाना जलालपुर जौनपुर।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मनाया प्रियंका गांधी का जन्मदिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व प्रभारी उत्तर प्रदेश माननीय सांसद प्रियंका गांधी के जन्मदिन के अवसर पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम एवं जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र वीर बहादुर विक्रम सिंह बाबा के नेतृत्व मे कांग्रेस जनों ने जिला महिला अस्पताल मे फल वितरण किया। संसद मे महिलाओं की सशक्त आवाज और आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली नेता प्रियंका के जन्मदिन के अवसर पर बाबा सिंह ने कहा कि देश मे महिला सशक्तिकरण और राजनीति में भागीदारी पर अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्रियंका गांधी ने राज्य में ₹लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ। अभियान की शुरूआत की। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन उन्होंने राज्य की राजधानी लखनऊ में एक रैली की शुरूआत की, जिसमें कई वादे और उम्मीदें थीं, जिसमें पूरे राज्य से महिलाओं की भागीदारी देखी गई। प्रियंका का ओजस्वी नेतृत्व व ऊजार्वान व्यक्तित्व सभी के सामाजिक सुरक्षा के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। जनता के अधिकारों के लिए, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सत्यनिष्ठा से आपका संघर्ष हम जैसे कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी विकेश उपाध्याय, संदीप सोनकर, अजय सोनकर, शशांक राय अंकित, आदिल, अमन सिन्हा, प्रवीण सिंह पिंटू, गुलाब सिंह, रोहित पाण्डेय, अतीक, शिवेंद्र सिंह आदि मौजुद रहे।

पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, पीछे से आई ट्रैक्टर-ट्रॉली ने महिलाओं को कुचला

सीतापुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के सीतापुर में रविवार को भीषण हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार महिलाएं उछलकर सड़क पर गिरीं। इसी समय पीछे से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा खैराबाद थाना क्षेत्र के खैराबाद-बिसवां मार्ग पर हुआ। मूल रूप से मानपुर क्षेत्र के बन्नी बाजदारपुर निवासी महिलाएं रेशमा (35) और रेशमा (40), कलीम की बाइक पर सवार थीं। यह लोग बिसवां कोतवाली क्षेत्र के क्योटीवादउल्ला जा रहे थे। रास्ते में बेनीपुर गांव के निकट हादसा हो गया। हादसे में दोनों महिलाओं की मौत हो गई। जबकि कलीम गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया है।

महाकुंभ के दौरान यूपी के हर जिले से प्रयागराज के लिए बस सेवाएं संचालित

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। 13 जनवरी यानी कल से महाकुंभ 2025 का आगाज होने वाला है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को महाकुंभ के दौरान पवित्र संगम तक तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी जिलों से बस सेवाएं संचालित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने भव्य आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह निर्देश जारी किए। सीएम योगी ने कहा कि बस सेवाएं केवल प्रमुख स्नान के दिनों में ही नहीं, बल्कि पूरे महाकुंभ अवधि के दौरान उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जन सुविधा के लिए इन बस सेवाओं की विस्तृत समय सारिणी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा ह्यह्य यात्रा के दौरान किसी भी यात्री को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने बस चालकों और परिचालकों को नशीले पदार्थों का सेवन करने से रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। इसके अलावा, निजी बस संचालकों को निर्धारित किराए और क्षमता सीमा का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया, ताकि यात्रियों की ओवरलोडिंग या शोषण न हो। यूपीएसआरटीसी महाकुंभ तीर्थयात्रियों के लिए 7,000 बसें तैनात करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें 550 शटल बसें क्षेत्र के भीतर आसान आवागमन के लिए मेला मैदानों के लिए समर्पित हैं।

DM ने रोड शो को दिखाई हरी झंडी

वाराणसी। काशी नगरी में रविवार की सुबह उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के तत्वावधान में महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत रोड शो का आयोजन किया गया। रोड शो को होटल ताज से जिलाधिकारी एस. राज लिंगम ने हरी झंडी दिखाकर किया। रोड शो शास्त्री घाट पर समाप्त हुआ। रोड शो के माध्यम से महाकुंभ 2025 के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के प्रति सेवा-भाव रखने तथा सनातन धर्म के इस वृहद आयोजन में शिरकत करने का आग्रह किया गया। शो के दौरान VTG, TWA, BHU एवं काशी विद्यापीठ के पर्यटन प्रबंध के विद्यार्थियों के साथ-साथ पर्यटन उद्योग से जुड़े उद्यमियों तथा गाइड एसोसिएशन, सहित नेपाल से आए टूर ऑपरेटर्स के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इसमें आर. रावत (उपनिदेशक, पर्यटन), नवीन सिंह पर्यटन अधिकारी, सुरेंद्र पाल, सहायक निदेशक सूचना, डॉ. प्रवीण राणा (एसोसिएट प्रोफेसर, BHU), डॉ. ज्योतिमा (असिस्टेंट प्रोफेसर, काशी विद्यापीठ), संतोष सिंह अध्यक्ष VTG, अनिल त्रिपाठी महामंत्री VTG, हरिश्चंद्र भारद्वाज, नौनिहाल सिंह, दिनेश तिवारी सम्मिलित रहे। रोड शो के आखिरी में नेपाल से आए प्रतिनिधिमंडल का शास्त्री घाट पर काशी के पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया।

चोरो ने मोबाइल शॉप से ले गए लाखों रुपये के एसेसरिज सहित अन्य सामान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। रामनगर किला के सामने मोबाइल वर्ल्ड शॉप की दिवार तोड़कर रविवार की अलसुबह लाखों रुपये के मोबाइल, एसेसरीज सहित अन्य सामान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की। जानकारी के अनुसार, सुबह दुकान के पास के चाय की दुकान खोलने पहुंचे दुकानदार ने देखा भुक्तभोगी को सूचना दी। दुकान संचालक प्रीतम अग्रहरि ने पुलिस को लिखित तहरीर दी। वहीं, दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोग मुंह बांध कर चोरी करते हुए देखे जा रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही जांच में जुट गई थी। चोरों ने दीवार में एक बड़ा-सा छेदा कर अंदर घुसे थे। इसी दुकान में लगभग एक वर्ष पूर्व भी चोरों ने एक बार और चोरी की थी।

एक ही परिवार की पांच लोगों की निर्मम हत्या

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से नए साल पर एक दुखद खबर सामने आई है जहां पर एक ही परिवार को 5 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई है।मिली जानकारी के मुताबिक लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र की घटना बताई जा रही है। जिसमें आरोपी अरशद (उम्र 24 वर्ष) ने परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। इस हृदय विदारक घटना के बाद आरोपी को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। फील्ड यूनिट को भी बुलाकर साक्ष्यों का संग्रह किया जा रहा है। आरोपी अरशद को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में विस्तृत जांच व अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवार के लोग आगरा जिले इस्लाम नगर, तेहड़ी बगिया, कुबेरपुर के रहने वाले हैं। हालांकि पुलिस शुरूआती जांच में परिवारिक कहल में हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्रित करने के लिए घटनास्थल पर भेजा गया है और इस मामले की विस्तृत जांच शुरू की गई है।

वार्षिकोत्सव में बच्चों एवं मम्मीओं के प्रस्तुति ने मन मोहा

पटना (उत्तरशक्ति)। आज की रात मजा हुश्न का, काटी रात मैंने खेतों में, ओ मेरी क्यूटी, हुश्न तेरा तौबा - तौबा जैसे गानों पर जैसे ही नन्हें - मुन्हें बच्चों ने प्रस्तुति देनी शुरू की वैसे हीं सारा हॉल तालियों की गरगराहट से गूंज उठा। छोटे बच्चों ने जो मनमोहक प्रस्तुति दी, वो दृश्य हर कोई अपने कैमरे में कैद कर लेना चाहता था। मौका था न्यू बूगी वूगी अकेडमी के 30 वें वार्षिकोत्सव का जिसका आयोजन रविवार को राजेन्द्र नगर स्थित प्रेमचंद रंगशाला में बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अकेडमी के बच्चों द्वारा गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना पर नृत्य की प्रस्तुति से की गई। इसके बाद मम्मीओं ने भी एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। वहीं अन्य बच्चों ने भी बॉलीवुड नृत्य - संगीत की प्रस्तुति देकर सभी लोगों का दिल जीत लिया। इस मौके पर उपस्थित कार्यक्रम संयोजक व अकेडमी के निदेशक अनिल राज ने कहा की मुझे यह बताते हुए बहुत ही खुशी हो रही है की हमारे संस्थान ने सफलतापूर्वक 30 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हर वर्ष हम कुछ नए वादें कर उसे पूरा करने के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं। अनिल राज ने कहा की इस संस्थान के माध्यम से अबतक हजारों बच्चों ने प्रशिक्षण लेकर अपना परचम लहराया है। इस संस्थान में बच्चों के साथ महिलाओं एवं हर वर्ग के लोगों के लिए डांस, फिटनेस की सभी सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यू बूगी वूगी अकेडमी के बच्चों ने अहम भूमिका निभाई।

सिलिंडर में गैस रिसाव से लगी आग, युवक झुलसा

अहरौला। अतरौलिया थाना क्षेत्र के गोपालीपट्टी कमालपुर गांव में शुक्रवार की रात घर में गैस सिलिंडर में आग लग गई। आग लगने से एक युवक झुलस गया। उसे आनन-फानन 100 शैय्या अस्पताल अतरौलिया में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने बड़ी मशक्कत से आग को बुझाया गया। अतरौलिया थाना क्षेत्र के गोपालीपट्टी कमालपुर गांव निवासी मुकेश कुमार के घर नया गैस सिलिंडर आया हुआ था। शुक्रवार की रात लगभग सात बजे परिजनों ने पड़ोसी योगेंद्र को बुलाकर सिलिंडर में रेगुलेटर सेट करा रहे थे। परिजनों की माने तो जैसे ही योगेंद्र ने रेगूलेटर लगाकर माचिस जलाई तो पूरे घर में आग फैली गई। किसी तरह से परिजन व अन्य लोगों ने बड़ी मुश्किल से भागकर जान बचाई। इसमें सिलिंडर सेट कर रहे योगेन्द्र (45) झुलस गए।

उसे 100 शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर 112 की अतरौलिया, अहरौला की पुलिस व थानाध्यक्ष अतरौलिया वीरेंद्र कुमार सिंह व फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। घंटों की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड के जवानों ने आग पर काबू पाया। आग पूरे घर में फैल गई थी। परिजनों के अनुसार गृहस्थी के सामान के साथ नगदी, जेवर, साड़ी, कपड़े समेत सभी सामान जलकर राख हो गया। इस अगलगी में करीब पांच लाख रुपये की क्षति बताई जा रही है।

फरियादियों की समस्याओं का नहीं हो रहा निस्तारण

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। थाने पर हो रहे समाधान दिवस से फरियादियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। शनिवार को थानों में भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण के लिए राजस्वकर्मी पहुंचे, लेकिन फरियादियों की संख्या काफी कम रही। वहीं, ज्यादातर मामले जमीन से जुड़े सामने आए, जिनका निस्तारण नहीं हो सका। जहानागंज थाने में डीएम नवनीत चहल और एसपी हेमराज मीना ने लोंगो सुनवाई की। इस दौरान आठ शिकायतें मिली। यहां सिर्फ एक मामले का निस्तारण किया गया। रानी की सराय : शनिवार को थानाध्यक्ष व चकबंदी अधिकारी द्वितीय अजय सिंह और सुनील कुमार सिंह ने थाने पर शिकायतों की सुनवाई की। आठ प्रार्थना पत्रों में एक का भी निस्तारण नहीं हुआ। अधिकारियों ने प्रार्थना-पत्रों के निस्तारण के लिए संबंधित लेखपालों को दिशा-निर्देश दिए।

यूपी में ट्रेन पलटाने की साजिश का खुलासा

झांसी (उत्तरशक्ति)। झांसी और कानपुर में ट्रेन पलटाने की साजिश में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठकअ) और उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (अळर) को मदरसों से जुड़े कनेक्शनों के सुराग मिले हैं। जांच में पता चला है कि कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसके जरिए युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। इस कड़ी में इन युवाओं का मदरसों से भी संबंध हो सकता है, और इसी कड़ी को जोड़ने के लिए जांच एजेंसियां विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं। बृहस्पतिवार को एनआईए और एटीएस की टीम झांसी पहुंची थी। यहां मदरसा शिक्षक मुफ्ती खालिद नदवी से करीब 18 घंटे तक पूछताछ की गई। जब उन्हें पुलिस लाइन ले जाया जा रहा था, तो कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस और जांच टीम से धक्का-मुक्की की और मुफ्ती को छुड़ा लिया। हालांकि, बाद में पुलिस ने उन्हें सुरक्षित तरीके से ले जाकर पूछताछ की। रात को पूछताछ पूरी होने के बाद मुफ्ती खालिद नदवी को छोड़ दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने 11 नामजद और 100 अन्य लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों पर सरकारी काम में बाधा डालने और धक्का-मुक्की करने का आरोप है। पुलिस अब इन आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। पिछले तीन महीने में झांसी और कानपुर के आसपास कई अहम ट्रेनों को पलटाने की कोशिश की गई थी, जिनमें साबरमती एक्सप्रेस और कालिंदी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल थीं। इसके अलावा, वंदे भारत ट्रेन पर भी पथराव किया गया था। इन घटनाओं की जांच एनआईए, एटीएस और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) मिलकर कर रहे हैं।

प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी को मार, खुद लगा ली फांसी

मथुरा (उत्तरशक्ति)। मथुरा थाना हाईवे क्षेत्र स्थित की कन्हैया कुंज कॉलोनी में रविवार की सुबह पति-पत्नी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस अधिकारी फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंच गए। पुलिस ने दोनों के परिजन को सूचना दी। इधर, पूछताछ में पुलिस को प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग के चलते हत्या और आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। संभावना है कि पहले पति ने पत्नी की हत्या की इसके बाद खुद फंदे पर लटककर अपनी जान दी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि भरतपुर कुबेर ताखा गांव निवासी दीपक (28 वर्ष) अपनी पत्नी सविता और दो बच्चों के साथ कन्हैया कुंज कॉलोनी में किराए के मकान में रहते थे। रविवार की रात को सविता की पत्नी के मोबाइल पर किसी का फोन आया। इसके बाद दोनों के बीच में झगड़ा हुआ। पुलिस को पांच वर्षीय बेटी ने बताया कि रात को मम्मी-पापा के बीच झगड़ा हुआ। उसे दूसरे कमरे में सुला दिया। सुबह उठी तो उसके पापा फंदे पर लटके थे और मम्मी बेड पर पड़ी हुई थी। वह रोते हुए बाहर आई। बच्ची को रोता देख लोगों ने पूछा तो वह सभी को लेकर घर के अंदर गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार, सीओ रिफाइनरी स्वेता वर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही पुलिस बल के साथ पहुंच गए। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि पति ने किस तरह से पत्नी की हत्या की है। पत्नी के गले पर रस्सी के निशान हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि पहले पति ने पत्नी का रस्सी से गला घोंटा और उसके बाद उसी रस्सी का फंदा बनाकर अपनी जान दे दी। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पूछताछ में आसपास के लोगों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था। बताया कि सविता घर के अंदर ही ब्यूटी पार्लर का काम करती थी, जबकि दीपक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक था। उनका विवाह 2018 में हुआ था। इसके बाद दोनों के दो बच्चे हुए। बड़ी बेटी पांच साल की है और बेटा दो साल का है। बेटा अपनी नानी के घर था। घटना की जानकारी दोनों के परिजन को लगी तो वह मौके पर पहुंच गए, लेकिन मीडिया से दूरी बनाकर रखी।

थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति की छत पर एक कागज मिला है। कागज में लिखा है कि वह अपनी पत्नी सविता से परेशान है। उसका एक लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा है। कई बार मना किया, लेकिन बात करना बंद नहीं कर रही है। मना करने पर आए दिन घर में झगड़ा होता है, वह इससे बहुत परेशान है। सविता उसके साथ कोई घटना करा सकती है। सुसाइड नोट में एक मोबाइल की चिप मिली है। सुसाइड नोट में मोबाइल चिप के बारे में लिखा है कि इसके अंदर वीडियो और चेटिंग के स्क्रीन शॉट हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पड़ोसी ने उन्हें यह सुसाइड नोट दिया है।प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग के चलते घटना होना प्रतीत हो रहा है। अभी तक की जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि पहले पति ने पत्नी की हत्या की इसके बाद स्वयं फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। महिला के गले पर भी रस्सी के निशान हैं। पहले किसकी मौत हुई इसकी जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

बंदरों के आतंक से लोग घरों में कैद होने को मजबूर

गाजियाबाद(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मोदीनगर में बंदरों के आतंक ने लोगों को परेशान कर दिया है। कस्बे में लगातार बढ़ रहे बंदरों के आतंक से परेशान लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं। बंदर हर रोज बच्चों, बुजुर्गों, राहगीरों और महिलाओं को अपना निशाना बना रहे हैं। बंदरों के डर से बच्चों ने घर के बाहर और छत पर खेलना बंद कर दिया है। लोग नगर पालिका प्रशासन से हर रोज बंदरों से छुटकारा दिलाने की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन इसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बता दें कि सीएचसी में हर दिन 75 से 100 मरीज बंदरों और डॉगी के हमले से घायल पहुंच रहे हैं। जिले में बंदरों का आतंक इस कदर फैला हुआ है कि बंदरों के हमले से छत पर टहल रहे लोगों की गिरने से मौत हो चुकी है। गोविंदपुरी डबल स्टोरी और भूपेंद्रपुरी में छत पर टहल रहे दो लोगों की छत से गिरने से मौत हुई है। गाजियाबाद की कोई ऐसी कॉलोनी नहीं है, जहां दिन निकलते ही बंदरों का झुंड न दिखाई देता हो। नई कॉलोनी, देवेंद्रपुरी, उमेश पार्क, तेल मिल गेट कॉलोनी में पूरे दिन बंदर छत और दीवारों पर बैठे रहते हैं। विरोध करने पर वह हमला कर देते हैं। गौरतलब हो कि एक साल पहले नगर पालिका ने बंदरों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की थी, लेकिन पीपुल्स फॉर एनिमल्स नामक एक संस्था के विरोध पर कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। अब नगर पालिका परिषद से शहरवासी लगातार बंदरों से छुटकारा पाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बंदरों की बढ़ रही संख्या के चलते गलियों में लोगों का निकला दूभर हो गया है। बंदरों का झुंड घरों में घुसकर सारा रखा सामान उठा कर ले जाता है। महिलाएं जब भी छतों पर कपड़े सुखाने जाती हैं तो वह उनपर भी हमला कर देते हैं। महिलाएं कपड़े सुखाने के बाद उनकी रखवाली करती हैं। बंदर छतों पर सूखने वाले कपड़े तक नहीं छोड़ रहे हैं, उन्हें भी ले जाते हैं। बंदरों के आतंक से गली-मोहल्लों में छोटी-छोटी किराना की दुकान लगाने वाले दुकानदार परेशान हैं। गोविंदपुरी क्षेत्र के दुकानदारों ने बंदरों के डर से दुकानों के बाहर लोहे का जाल लगवाना शुरू कर दिया है, क्योंकि बंदर दुकान में घुस जाते हैं और कोई न कोई समान ले जाते हैं। साथ ही मकान के गेट पर लगा बिजली का मीटर भी बंदर तोड़ देते हैं। नगर पालिका से अनेकों बार बंदरों को पकड़ने की मांग की जा चुकी है। बंदरों के आतंक का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर रोज 75 से 100 मामले सीएचसी पहुंच रहे हैं।

जिस एसडीओ पर लगा भ्रष्टाचार का आरोप उसी को तहसील दिवस अधिकारी ने सौंपी जांच

नाश्ते का पैसा मांगने पर 43700 का जुमार्ना लगाने व फर्जी मुकदमा दर्ज करने का मामला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के मिश्राना निवासी शिवकुमार मौर्य के ऊपर उसके ठेले की दुकान पर नाश्ता करने पर पैसा मांगने पर 43700 का जुमार्ना लगाने व फर्जी मुकदमा दर्ज करने के मामले में भ्रष्टाचार के आरोपी विद्युत निगम मड़ियाहूं एसडीओ सौरभ तिवारी को ही संपूर्ण समाधान दिवस अधिकारी ने जांच सौंप दी। अब पीड़ित ने जिस अधिकारी के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है उन्हीं को संपूर्ण समाधान दिवस के प्रभारी अधिकारी ने मामले की जांच सौंप दी है। उन्होंने को जांच कर कार्यवाही करके एक सप्ताह में आख्या मांगी है। उक्त प्रकरण के संबंध में पीड़ित विधायक डा. आरके पटेल ने अधीक्षण अभियंता को जांच व कार्यवाही के लिए निर्देश दिये थे। इतना ही नहीं पीड़ित डीएम समेत विद्युत निगम के अधिकारियों से मिलकर न्याय की गुहार लगा चुका है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उपरोक्त मामले में उसने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। उसने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि मामले में उसे न्याय नहीं मिला तो हाई कोर्ट व मुख्यमंत्री के जनता दरबार का दरवाजा खटखटाएगा। एक बार पुनः न्याय की विशेष उम्मीद के साथ शिकायतकर्ता ने 4 जनवरी को तहसील दिवस में शिकायत करके अवगत कराया कि उसका बिजली से न तो कोई सरोकार है और न ही उसके पास कोई दुकान या कोई क्लीनिक है। आरोप है कि एसडीओ सौरभ तिवारी, जेई शहजाद अली, लाइनमैन निसार अहमद और संतोष कुमार ने 20000 रुपये की मांग की। प्रार्थना पत्र में बताया कि निगम के अधिकारियों ने फर्जी मुकदमा दर्ज करवा दिया। बताया कि एलएमबी 285 वाट के अंतर्गत धारा 135 के तहत उसके खिलाफ पंजीकृत कर दिया गया। गरीबी के कारण पैसा देने में असमर्थता जताई और देने से इनकार कर दिया तो उसके ऊपर 43700 का जुमार्ना ठोक दिया। अधिकारियों से गुहार लगाई कि उसने किसी भी प्रकार की विद्युत चोरी नहीं की है फिर भी उक्त लोग गाली -गलौज व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं और लगातार धमकी भी मिल रही है।

वर्जन- उक्त मामले में ऊजार्मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखेंगे। गरीबों के साथ किसी भी कीमत पर अन्याय व अत्याचार नहीं होने दिया जायेगा। - डा. आरके पटेल विधायक मड़ियाहूं, जौनपुर।

पारिवारिक कलह में दामाद ने की सास की हत्या

अम्बेडकरनगर(उत्तरशक्ति)। मायके में रह रही पत्नी पर युवक ने शुक्रवार रात चाकू से हमला कर दिया। बेटी को बचाने पहुंची सास निर्मला पर ताबड़तोड़ कई वार किए और भाग निकला। निर्मला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। सम्मनपुर क्षेत्र के सिकंदरपुर बाजार निवासी शालिनी (24) का विवाह वर्ष 2021 में अयोध्या जिले के दर्शनगर क्षेत्र के आशापुर गांव निवासी राकेश तिवारी के साथ हुआ। कुछ माह बाद ही दोनों में अनबन होने लगी। शालिनी ने पति और उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया। कोर्ट से गुजरा भत्ता लेकर वह मां निर्मला के साथ सिकंदरपुर बाजार में रहने लगी। शालिनी का आरोप है कि शुक्रवार देर रात करीब एक बजे किसी ने दरवाजा खटखटाया। उसने दरवाजा खोला तो बाहर कोई नहीं था। इसपर दरवाजा बंदकर वह कमरे में आ गई। तभी घर के पीछे की दीवार से कूदकर पति राकेश ने उसपर चाकू से हमला कर दिया। शोर मचाने पर मां निर्मला बचाने पहुंचीं। इसपर राकेश ने चाकू से उनके कंधे, पीठ और सिर पर ताड़तोड़ वार कर दिए। उनके फर्श पर गिरते ही राकेश भाग निकला। शालिनी के दो भाई सुशील उपाध्याय और बाल गंगाधार लखनऊ के निजी संस्थान में नौकरी करते हैं। शालिनी अपनी मां के साथ अकेले घर में थी। यह बात राकेश को पता थी। बृहस्पतिवार को उसे बाजार में घूमते हुए स्थानीय लोगों ने देखा था। परिजनों के अनुसार पति से अलग होने के बाद शालिनी का सबसे बड़ा सहारा मां थीं। गुजारा भत्ता देने को लेकर पति राकेश परेशान था। वह शालिनी के घर आकर विवाद करता रहता था। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने बताया कि शनिवार को शालिनी की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज किया गया। हत्यारोपी राकेश तिवारी की तलाश की जा रही थी। सर्विलांस से उसकी लोकेशन सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव में मिली। पुलिस और स्वाट टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

विवेकानंद जयंती पर मेडल सेरेमनी में टॉपर रहे विद्यार्थियों का किया सम्मान

चिरान। निकटवर्ती रामपुरा ग्राम की विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय युवा दिवस एवं विद्यालय का 28 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आगाज मां शारदे,गोरी पुत्र गणेश एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत रूप से हुआ।इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई एवं मेडल सेरिमनी में टॉपर रहे विद्यार्थियों को अतिथियों के सानिध्य में पुरस्कार प्रदान किए गए। शाला निदेशक सुनील कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य रामगोपाल शर्मा ने श्रीमान मोहनलाल डीडवानियां,वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत, सीताराम कुमावत,नथमल अग्रवाल, एवं कार्यक्रम में पधारे हुए अनेक अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के नन्हे मुन्ने बाल कलाकारों द्वारा भी मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुति दी गई। स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया एवं उनके विचारों से प्रेरित होकर उन्हें आत्मसात करने का प्रण लिया गया। भले ही फिजा में सर्दी का का प्रकोप रहा हो पर विद्यार्थियों और अभिभावकों की उपस्थिति उम्मीद से अधिक थी तो वहीं यहां के स्टाफ के द्वारा की गई मेहनत काबिले तारीफ थी और हर प्रोग्राम में उनके द्वारा की गई मेहनत साफ नजर आ रही थी।समारोह पूर्वक मनाए गए इस कार्यक्रम का संचालन निखिल शर्मा,दीपिका मीणा व इशू शेखावत ने संयुक्त रूप से किया। इस शानदार प्रोग्राम के अंत में सभी की मिठाई वितरण की गई।